बोर्ड कृतिपत्रिका: जून 2025

हिंदी लोकभारती

समय : 3 घंटे | **कुल अंक : 80**

सूचनाएँ :

1. सूचनाओं के अनुसार गद्‌य, पद्‌य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्‌ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्‌य : 20 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[8]**

आँख खुली तो मैंने अपने-आपको एक बिस्तर पर पाया । इर्द-गिर्द कुछ परिचित-अपरिचित चेहरे खड़े थे। आँख खुलते ही उनके चेहरों पर उत्सुकता की लहर दौड़ गई। मैंने कराहते हुए पूछा - "मैं कहाँ हूँ ?"

"आप सार्वजनिक अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में हैं। आपका ऐक्सिडेंट हो गया था। सिर्फ पैर का फ्रैक्चर हुआ है। अब घबराने की कोई बात नहीं।" एक चेहरा इतनी तेजी से जवाब देता है, लगता है मेरे होश आने तक वह इसीलिए रुका रहा। अब मैं अपनी टाँगों की ओर देखता हूँ। मेरी एक टाँग अपनी जगह पर सही-सलामत थी और दूसरी टाँग रेत की थैली के सहारे एक स्टैंड पर लटक रही थी। मेरे दिमाग में एक नये मुहावरे का जन्म हुआ। 'टाँग का टूटना' यानी सार्वजनिक अस्पताल में कुछ दिन रहना। सार्वजनिक अस्पताल का खयाल आते ही मैं काँप उठा। अस्पताल वैसे ही एक खतरनाक शब्द होता है, फिर यदि उसके साथ सार्वजनिक शब्द चिपका हो तो समझो आत्मा से परमात्मा के मिलन होने का समय आ गया। अब मुझे यूँ लगा कि मेरी टाँग टूटना मात्र एक घटना है और सार्वजनिक अस्पताल में भरती होना दुर्घटना।

(1) आकृति में लिखिए : **2**

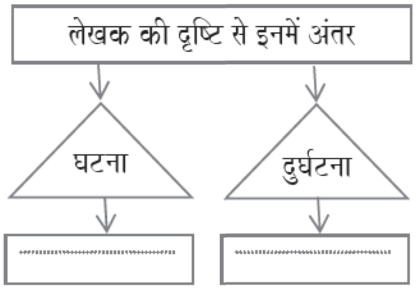

(2) एक या दो शब्दों में उत्तर लिखिए : **2**

(i) लेखक को यहाँ भरती किया गया था – ....

(ii) यह एक खतरनाक शब्द होता है – ....

(iii) आँख खुलने पर लेखक ने अपने-आपको यहाँ पाया – ....

(iv) लेखक के दिमाग में जन्मा नया मुहावरा – ....

Target Publications

(3) लिखिए : 2

गद्यांश में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्द :

(i) ....

(ii) ....

(iii) ....

(iv) ....

(4) 'सार्वजनिक अस्पताल की स्थिति' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[8]**

आम तौर से माना जाता है कि रुपया, नोट या सोना-चाँदी का सिक्का ही संपत्ति है, लेकिन यह ख्याल गलत है क्योंकि ये तो संपत्ति के माप-तौल के साधन मात्र हैं। संपत्ति तो वे ही चीजें हो सकती है जो किसी-न-किसी रूप में मनुष्य के उपयोग में आती हैं। उनमें से कुछ ऐसी हैं जिनके बिना मनुष्य जिंदा नहीं रह सकता एवं कुछ, सुख-सुविधा और आराम के लिए होती है। अन्न, वस्त्र और मकान मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ हैं, जिनके बिना उसकी गुजर-बसर नहीं हो सकती। इनके अलावा दूसरी अनेक चीजें हैं जिनके बिना मनुष्य रह सकता है।

प्रश्न उठता है कि संपत्तिरूपी ये सब चीजें बनती कैसे हैं? सृष्टि में जो नानाविध द्रव्य तथा प्राकृतिक साधन हैं, उनको लेकर मनुष्य शरीर श्रम करता है, तब यह काम की चीजें बनती हैं। अत: संपत्ति के मुख्य साधन दो हैं: सृष्टि के द्रव्य और मनुष्य का शरीर श्रम। यंत्र से कुछ चीजें बनती दिखती हैं। पर वे यंत्र भी शरीर श्रम से बनते हैं और उनको चलाने में भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शरीर श्रम की आवश्यकता होती है। केवल बौद्धिक श्रम से कोई उपयोग की चीज नहीं बन सकती अर्थात् बिना शरीर श्रम के संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता।

(1) गद्यांश में ढूँढ़कर लिखिए : 2

(i) संपत्ति के माप-तौल के साधन –

(1) ....

(2) ....

(ii) संपत्ति के मुख्य साधन –

(1) ....

(2) ....

(2) निम्नलिखित विधान सही अथवा गलत पहचानकर लिखिए : 2

(i) यंत्र शरीर श्रम से बनते हैं। ....

(ii) बौद्धिक श्रम से ही उपयोग की चीज बनती है। ....

(iii) अन्न, वस्त्र और मकान मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ नहीं हैं। ....

(iv) बिना शरीर श्रम के संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता – ....

(3) (i) वचन परिवर्तन कीजिए : 1

(1) यंत्र – ....

(2) चीज – ....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्द लिखिए : 1

(1) मृत x ....

(2) मानवनिर्मित x ....

(4) 'श्रम ही पूजा है' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

Target Publications

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[4]**

हिंदुस्तान में तुलसीदास भी प्रसिद्ध हैं और तुलसी का बिरवा भी, बल्कि अगर यों कहें कि यहाँ जनजीवन में तुलसी का पौधा बहुत महत्त्वपूर्ण है तो अत्युक्ति न होगी। अधिकांश घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है, जिसको कि स्त्रियाँ पूजा करती हैं। ग्रामीण या आम भाषा में लोग इसे तुलसा भी कहते हैं। इसी तुलसी के संबंध में विशेष बात यह है कि इसे बहुत उपयोगी माना गया है। सर्दी, खाँसी के साथ विविध बीमारियों में तुलसी का सेवन किया जाता है। अंग्रेजी में इसे 'बेसिल' या 'सेक्रेड बेसिल' यानी पवित्र तुलसी कहते हैं। और इसीलिए पवित्रता का बोध कराने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक नामकरण में, जो कि लैटिन भाषा में होता है, इसे 'ओसिमम सैक्टम' कहा गया है। अंग्रेजी का बेसिल शब्द ग्रीक भाषा के 'बसिलिकोन' शब्द से व्युत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ है राजसी। फ्रांस वाले इसीलिए इसे 'ल प्लांती रोयली' अर्थात राजसी पौधा कहते हैं।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाकर फिर से लिखिए : **2**

	'अ'		'आ'
(1)	हिंदुस्तान	(अ)	बेसिल
(2)	अंग्रेजी नाम	(आ)	ग्रामीण भाषा
(3)	राजसी पौधा	(इ)	ओसिमम सैक्टम
(4)	वैज्ञानिक नाम	(ई)	तुलसीदास
		(उ)	ल प्लांती रोयली

(2) 'बहुपयोगी तुलसी' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[6]**

फागुन के दिन चार होरी खेल मना रे।
बिन करताल पखावज बाजे, अणहद की झनकार रे।
बिन सुर राग छतीसूँ गावे, रोम-रोम रणकार रे।।
सौल संतोख की केसर घोली, प्रेम-प्रीत पिचकार रे।
उड़त गुलाल लाल भयो अंबर, बरसत रंग अपार रे ।।
घट के पट सब खोल दिए हैं, लोकलाज सब डार रे।
'मीरा' के प्रभु गिरिधर नागर, चरण कँवल बलिहार रे।।

(1) एक शब्द में उत्तर लिखिए : **2**

(i) फागुन के इतने दिन – ....
(ii) आकाश इस रंग का हुआ – ....
(iii) करताल पखावज के बिना निर्माण नाद – ....
(iv) मीरा के प्रभु का नाम – ....

(2) पद्यांश में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए : **2**

(i) अंबर – ....
(ii) कँवल – ....
(iii) होरी – ....
(iv) संतोख – ....

Target Publications

(3) अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [6]

वे रोष में आकर बोले – स्वर्ण दो स्वर्ण!
मैंने जोश में आकर कहा – सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं उन्हें कैसे दे दूँ।
वे झुंझलाकर बोले, तुम समझे नहीं
हमें तुम्हारा अनधिकृत रूप से अर्जित अर्थ चाहिए
मैं मुसकाकर बोला, अर्थ मेरी नई कविताओं में है
तुम्हें मिल जाए तो ढूँढ़ लो
वे कड़ककर बोले, चाँदी कहाँ है ?
मैं भड़ककर बोला - मेरे बालों में आ रही है धीरे-धीरे
ये उद्‌भ्रांत होकर बोले,
यह बताओ तुम्हारे नोट कहाँ है ?

(1) **प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :** **2**

छापा मारने वालों द्‌वारा कवि से माँगी गई चीजें

(2) (i) निम्न शब्दों के भिन्नार्थ लिखिए : **1**

नोट (1) ……………..

(2) ……………..

(ii) पद्‌यांश में प्रयुक्त दो तत्सम शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **1**

(1) …………………………

(2) …………………………

(3) प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [4]

कुछ दिनों पहले एक कंप्यूटर ने मुझे चालीस हजार रुपयों में खरीदा है! आज-कल उसकी गुलामी में हूँ। उसके नखरों को सिर झुकाकर झेलने में ही अपना कल्याण देख रहा हूँ। उसका वादा है कि एक दिन वह मुझे लिखने-पढ़ने की पूरी आजादी देगा। फिलहाल उसकी एकनिष्ठ सेवा में ही मेरा उज्ज्वल भविष्य है।

Target Publications

इसके पहले एक मोटर मुझे भारी दामों में खरीद चुकी है। उसकी सेवा में भी हूँ। दरअसल, चीजों का एक पूरा परिवार है जिसकी सेवा में हूँ। आदमी का स्वभाव नहीं बदलता या बहुत कम बदलता है। गुलामी करना-करवाना उसके स्वभाव में है। सिर्फ तरीके बदले हैं, गुलामी की प्रवृत्ति नहीं। हजारों साल पहले एक आदमी मालिक होता था और उसके दरजनों गुलाम होते थे। अब हर चीज के दरजनों गुलाम होते हैं।

(1) **उचित घटनाक्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए :** 2

(i) सिर्फ तरीके बदले है, गुलामी की प्रवृत्ति नहीं।
(ii) अब हर चीज के दरजनों गुलाम होते हैं।
(iii) एक कंप्यूटर ने मुझे चालीस हजार रुपयों में खरीदा है।
(iv) आदमी का स्वभाव नहीं बदलता।

(2) 'गुलामी एक कलंक' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

(आ) **निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** [4]

यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रह्लाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!
इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं....

(1) **आकृति में लिखिए :** 2

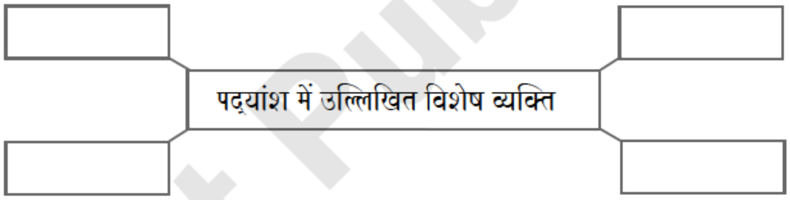

(2) भारत के वीर सपूतों की विशेषताएँ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। 2

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [14]

(1) निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए : 1

वह तुम्हारी <u>लाडली</u> बेटी उमा तो मुँह फुलाए पड़ी है।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1

(i) के लिए
(ii) जी हाँ

(3) कृति पूर्ण कीजिए : 1

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
....	दु: + साहस	....

अथवा

सज्जन	....	....

Target Publications

(4) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए :** **1**

(i) ठाकुर जी के चरणों में रख दिया।

(ii) दूसरे दिन वे अपनी पीड़ा न रोक सके।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया

(5) **निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा दुवितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए :** **1**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	दुवितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) माँगना	....	....
(ii) पीसना	....	....

(6) **निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए :** **1**

(i) निछावर करना - ....

(ii) बोलबाला होना - ....

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :

(हाथ फेरना, इज्जत उतारना)

क्या आपने मुझे अपमानित करने के लिए यहाँ बुलाया था ?

(7) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए :** **1**

(i) यह मछुआरों की पहली पसंद है।

(ii) उसके गले में रस्सी थी।

कारक चिह्न	कारक भेद
....	....

(8) **निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :** **1**

क्या करूँ मजबूरी है

(9) **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए :** **2**

(i) मैं पढ़ना शुरू करूँगा।
(पूर्ण भूतकाल)

(ii) काकी ने पिटारी को फिर टटोला।
(सामान्य भविष्यकाल)

(iii) विषमता दूर करने में कानून भी कुछ मदद देता है।
(अपूर्ण वर्तमानकाल)

Target Publications

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए : 1
वह बूढ़ी काकी पर झपटी और उन्हें दोनों हाथों से झटककर बोली।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए : 1

(1) क्या मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को नहीं देखा है ?
(विधानार्थक वाक्य)

(2) तुम्हें अपना ख्याल रखना चाहिए।
(आज्ञार्थक वाक्य)

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए : 2

(i) ड्राइवर को चाभी माँगा।
(ii) गाय को दूध देना बंद कर दी।
(iii) नेत्रहीनों का चमत्कार देखा है।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

5. सूचना :– आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है। **[26]**

(अ) सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए :

(1) पत्रलेखन :

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए : 5

मोहन/मोहिनी 'गुरुकुल छात्रावास', गांधी मार्ग, कोल्हापुर से नांदेड में रहने वाले अपने पिताजी को विद्‌यालय द्‌वारा आयोजित सैर में सम्मिलित होने के लिए अनुमति की माँग करते हुए पत्र लिखता /लिखती है।

अथवा

रोहन/रोहिणी वर्मा, गंगा निवास, सावरकर मार्ग, मुंबई से स्वास्थ्य अधिकारी, महानगर निगम, मुंबई को अशुद्‌ध जलापूर्ति की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(2) निम्नलिखित अपठित गद्‌यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्‌यांश में एक-एक वाक्य में हों : 4

समय की पाबंदी का उद्‌देश्य है अपने कार्य को मन लगाकर ठीक समय पर, निश्चित अवधि के भीतर सफलतापूर्वक पूर्ण करना। जो लोग समय के पाबंद होते हैं, उन्हें अपने कार्य करने के लिए किसी की प्रेरणा या किसी के अनुरोध की आवश्यकता नहीं होती बल्कि उनकी आत्मा ही उन्हें अपने प्रत्येक कार्य में प्रवृत्त करती है। समय की पाबंदी करने वाले उत्साही और फुर्तीले होते हैं, अपने कार्यों को योजनाबद्‌ध रीति से करते हैं और अपने काम के समय का पूरा-पूरा उपयोग करने का ध्यान रखते हैं। ऐसे मनुष्य आमोद-प्रमोद के लिए, अपने मित्रों और सगे-संबंधियों से मिलने-जुलने के लिए तथा विश्राम और शयन के लिए उचित अवकाश भी निकाल लेते हैं परंतु इसके विपरीत समय की पाबंदी की उपेक्षा करने वाले लोग तनाव में रहते हैं, उनका समय इधर-उधर आलस्य और प्रमाद करने में व्यर्थ ही व्यतीत हो जाता है और वे सदा काम के बोझ की शिकायत करते रहते हैं।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन : 5

महात्मा गांधी विद्‌यालय, सातारा में मनाए गए 'शिक्षक दिवस समारोह' का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।
(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है)

Target Publications

अथवा

कहानी लेखन :

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :

दो मित्र – सागर में तूफान – नौका का टूटना – दोनों का एक ही तख्ते का सहारा – तख्ते का किसी एक का भार सँभालना – अविवाहित मित्र – तख्त छोड़ देना – 'माँ को सँभालो' – दूसरे का बच जाना – सीख।

(2) **विज्ञापन लेखन :** **5**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :

(इ) **निबंध लेखन :** **7**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :

(1) प्रदूषण एक समस्या
(2) अस्पताल में एक घंटा
(3) बाढ़ पीड़ित की आत्मकथा।

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2025

हिंदी लोकभारती

समय : 3 घंटे **कुल अंक : 80**

सूचनाएँ :

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन/पेन्सिल का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[8]**

आँख खुली तो मैंने अपने-आपको एक बिस्तर पर पाया । इर्द-गिर्द कुछ परिचित-अपरिचित चेहरे खड़े थे। आँख खुलते ही उनके चेहरों पर उत्सुकता की लहर दौड़ गई। मैंने कराहते हुए पूछा - "मैं कहाँ हूँ ?"

"आप सार्वजनिक अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में हैं। आपका ऐक्सिडेंट हो गया था। सिर्फ पैर का फ्रैक्चर हुआ है। अब घबराने की कोई बात नहीं।" एक चेहरा इतनी तेजी से जवाब देता है, लगता है मेरे होश आने तक वह इसलिए रुका रहा। अब मैं अपनी टाँगों की ओर देखता हूँ। मेरी एक टाँग अपनी जगह पर सही-सलामत थी और दूसरी टाँग रेत की थैली के सहारे एक स्टैंड पर लटक रही थी। मेरे दिमाग में एक नये मुहावरे का जन्म हुआ। 'टाँग का टूटना' यानी सार्वजनिक अस्पताल में कुछ दिन रहना। सार्वजनिक अस्पताल का खयाल आते ही मैं काँप उठा। अस्पताल वैसे ही एक खतरनाक शब्द होता है, फिर यदि उसके साथ सार्वजनिक शब्द चिपका हो तो समझो आत्मा से परमात्मा के मिलन होने का समय आ गया। अब मुझे यूँ लगा कि मेरी टाँग टूटना मात्र एक घटना है और सार्वजनिक अस्पताल में भरती होना दुर्घटना।

(1) **उत्तर लिखिए :**

(i) **1**

गद्यांश में उल्लेखित शरीर के अंग

------------ ------------

(ii) सार्वजनिक अस्पताल में भरती होना इनके मिलन जैसा है **1**

------------ ------------

(2) **उत्तर लिखिए :** **2**

(i)

दुर्घटना के बाद लेखक की टाँगों की अवस्था

---------------- ----------------

Target Publications

(3) (i) गद्यांश में उल्लेखित अंग्रेजी शब्द लिखिए । **1**

(1) ....

(2) ....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में उल्लेखित समानार्थी शब्द लिखिए : **1**

(1) रुग्णालय – ....

(2) शक्ल – ....

(4) सार्वजनिक रुग्णालयों की स्थिति के बारे में 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **1**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[8]**

हमने अपने जीवन में बाबू जी के रहते अभाव नहीं देखा। उनके न रहने के बाद जो कुछ मुझपर बीता, वह एक दूसरी तरह का अभाव था कि मुझे बैंक की नौकरी करनी पड़ी। लेकिन उससे पूर्व बाबू जी के रहते मैं जब जन्मा था तब वे उत्तर प्रदेश में पुलिस मंत्री थे। उस समय गृहमंत्री को पुलिस मंत्री कहा जाता था। इसलिए मैं हमेशा कल्पना किया करता था कि हमारे पास ये छोटी गाड़ी नहीं, बड़ी आलीशान गाड़ी होनी चाहिए। बाबू जी प्रधानमंत्री हुए तो वहाँ जो गाड़ी थी वह थी, इंपाला शेवरलेट। उसे देख-देख बड़ा जी करता कि मौका मिले और उसे चलाऊँ। प्रधानमंत्री का लड़का था। कोई मामूली बात नहीं थी । सोचते-विचारते, कल्पना की उड़ान भरते एक दिन मौका मिल गया। धीरे-धीरे हिम्मत भी खुल गई थी ऑर्डर देने की। हमने बाबू जी के निजी सचिव से कहा– "सहाय साहब, जरा ड्राइवर से कहिए, इंपाला लेकर रेजिडेंस की तरफ आ जाएँ।"

दो मिनट में गाड़ी आकर दरवाजे पर लग गई। अनिल भैया ने कहा– "मैं तो इसे चलाऊँगा नहीं। तुम्हीं चलाओ।"

मैं आगे बढ़ा। ड्राइवर से चाभी माँगी। बोला– "तुम बैठो, आराम करो, हम लोग वापस आते हैं अभी।"

(1) **कृति पूर्ण कीजिए :**

(i) **1**

लेखक ने चाभी माँगकर ड्राइवर से कहा

→ [ ] [ ]

(ii) **1**

लेखक के जीवन पर हुआ परिणाम

→ बाबू जी के रहते → [ ]

→ बाबू जी के न रहते → [ ]

(2) **उत्तर लिखिए :** **2**

(i) लेखक यह कल्पना किया करते थे – ....

(ii) लेखक के जन्म के समय बाबू जी उत्तर प्रदेश में – ....

(3) (i) गद्यांश में उल्लेखित विलोम शब्द की जोड़ी ढूँढ़कर लिखिए : **1**

.... x ....

(ii) गद्यांश में उल्लेखित शब्दयुग्म ढूँढ़कर लिखिए : **1**

(1) ....

(2) ....

(4) 'सादा जीवन, उच्च विचार' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए । **2**

Target Publications

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[4]**

परोपकार ही मानवता है, जैसा कि राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने लिखा है – 'वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे।' केवल अपने दुख-सुख की चिंता करना मानवता नहीं, पशुता है। परोपकार ही मानव को पशुता से सदय बनाता है। वस्तुत: नि:स्वार्थ भावना से दूसरों का हित साधना ही परोपकार है। मनुष्य अपनी सामर्थ्य के अनुसार परोपकार कर सकता है। दूसरों के प्रति सहानुभूति करना ही परोपकार है और सहानुभूति किसी भी रूप में प्रकट की जा सकती है। किसी निर्धन की आर्थिक सहायता करना अथवा किसी असहाय की रक्षा करना परोपकार के रूप हैं। किसी पागल अथवा रोगी की सेवा-शुश्रूषा करना अथवा भूखे को अन्नदान करना भी परोपकार है। किसी को संकट से बचा लेना, किसी को कुमार्ग से हटा देना, किसी दुखी-निराश को सांत्वना देना– ये सब परोपकार के ही रूप हैं। कोई भी कार्य, जिससे किसी को लाभ पहुँचता है, परोपकार है, जो अपनी सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न रूपों में किया जा सकता है।

(1) कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर तालिका पूर्ण कीजिए : **2**
(सांत्वना, पशुता, सेवा-शुश्रूषा, मानवता, सामर्थ्य)

(1)	परोपकार ही	....
(2)	केवल अपने सुख-दुख की चिंता करना	....
(3)	पागल अथवा रोगी की	....
(4)	दुखी-निराश को	....

(2) 'मानवता ही सच्चा धर्म है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए । **2**

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[6]**

विजय केवल लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम
भिक्षु होकर रहते सम्राट, दया दिखलाते घर-घर घूम ।
'यवन' को दिया दया का दान, चीन को मिली धर्म की दृष्टि
मिला था स्वर्ण भूमि को रत्न, शील की सिंहल को भी सृष्टि ।

किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यहीं
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं । ..
चरित थे पूत, भुजा में शक्ति, नम्रता रही सदा संपन्न
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न ।

(1) कृति पूर्ण कीजिए : **2**

चरित थे	भुजा में	नम्रता रही	हृदय के गौरव में
....	....	....	....

(2) **उत्तर लिखिए :**

(i) पद्यांश से लय-ताल युक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **1**

(1) ....
(2) ....

Target Publications

(ii) निम्नलिखित प्रत्ययुक्त शब्दों के मूलशब्द पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए : **1**

(1) दयालु – ……………………………

(2) प्राकृतिक – ……………………………

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[6]**

घन घमंड नभ गरजत घोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा।।
दामिनी दमक रहहिं घन माहीं। खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं।।
बरषहिं जलद भूमि निअराएँ। जथा नवहिं बुध विद्या पाएँ।।
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे। खल के बचन संत सह जैसे।।
छुद्र नदी भरि चली तोराई। जस थोरेहुँ धन खल इतराई।।
भूमि परत भा ढाबर पानी। जनू जीवहिं माय लपटानी।।
समिटि-समिटि जल भरहिं तलावा। जिमी सद्गुन सज्जन पहिं आवा।।
सरिता जल जलनिधि महुँ जाई। होई अचल जिमि जिव हरि पाई।।

(1) उत्तर लिखिए : **2**

(i) गरजने वाले – ……………..

(ii) चमकने वाली – ……………..

(iii) बूँद के आघात सहने वाले – ……………..

(iv) दुष्ट के वचन सहने वाले – ……………..

(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए :

(i) निम्न अर्थ के शब्द : 1

(1) झुकना – (1) ……………..

(2) मटमैला – (2) ……………..

(ii) उपसर्गयुक्त शब्द : 1

(1) ……………………………

(2) ……………………………

(3) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[4]**

आज फिर उसे साक्षात्कार के लिए जाना है। अब तक देशप्रेम, नैतिकता, शिष्टाचार, ईमानदारी पर अपने तर्कपूर्ण विचार बड़े विश्वास से रखता आया था लेकिन इसके बावजूद उसके हिस्से में सिर्फ असफलता ही आई थी।

साक्षात्कार के लिए उपस्थित प्रतिनिधि मंडल में से एक अधिकारी ने पूछा– "भ्रष्टाचार के बारे में आपकी क्या राय है ?"

"भ्रष्टाचार एक ऐसा कीड़ा है जो देश को घुन की तरह खा रहा है। इसने सारी सामाजिक व्यवस्था को चिंताजनक स्थिति में पहुँचा दिया है। सच कहा जाए तो यह देश के लिए कलंक है.........।" अधिकारियों के चेहरे पर हलकी-सी मुसकान और उत्सुकता छा गई। उसके तर्क में उन्हें रुचि महसूस होने लगी। दूसरे अधिकारी ने प्रश्न किया– "रिश्वत को आप क्या मानते हैं?"

"यह भ्रष्टाचार की बहन है जैसे विशेष अवसरों पर हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं।

(1) कृति पूर्ण कीजिए : **2**

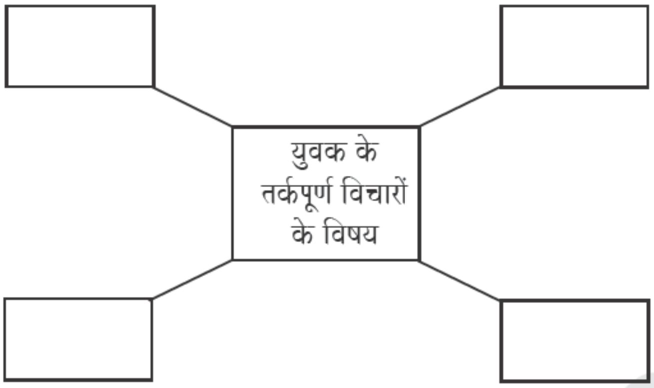

(2) 'भ्रष्टाचार एक कलंक' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। **2**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[4]**

जीवन नैया
मँझधार में डोले,
सँभाले कौन ?

रंग-बिरंगे
रंग-संग लेकर
आया फागुन।

काँटों के बीच
खिलखिलाता फूल
देता प्रेरणा ।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए :

(i) **1**

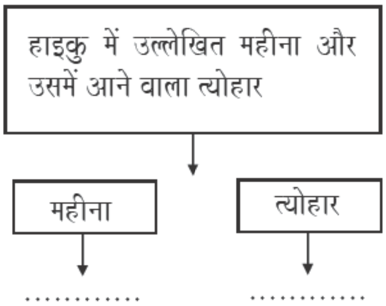

(ii) **1**

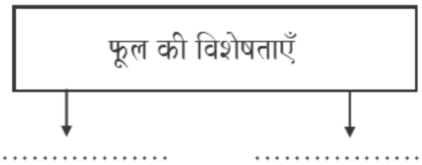

(2) 'कोशिश करने वालों की हार नहीं होती' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए । **2**

Target Publications

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[14]**

(1) अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए : **1**

वे हलुवा पूड़ी और <u>ताजी</u> दूध मलाई खाते हैं ।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

(i) और

(ii) के पास

(3) कृति पूर्ण कीजिए : **1**

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
दिग्गज	.... + ...	....
	अथवा	
....	सदा + एव	....

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए : **1**

(i) वे पुस्तक पकड़े न रख सके ।

(ii) अवश्य ही लोग खा-पीकर चले गए ।

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा दुवितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए : **1**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	दुवितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) देखना	....	....
(ii) तोड़ना	....	....

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

मुहावरा **अर्थ**

(i) मुँह लाल होना - ....

वाक्य - ....

(ii) टाँग अड़ाना - ....

वाक्य - ....

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :

(तिलमिला जाना, काँप उठना)

पंडित बुद्धिराम काकी को देखते ही <u>क्रोध में आ</u> गए।

(7) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारकों में से कोई एक कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए : **1**

(i) चाची अपने कमरे से निकल गयी थी ।

(ii) कुछ समय के लिए विश्राम मिल जाता है।

कारक चिन्ह	कारक भेद
....	....

Target Publications

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए : 1

जल्दी जल्दी पैर बढ़ा

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए : 2

(i) आराम हराम हुआ है।
(अपूर्ण वर्तमानकाल)

(ii) वे बाजार से नई पुस्तक खरीदते हैं।
(पूर्ण भूतकाल)

(iii) मैंने खिड़की से गरदन निकालकर झिड़की के स्वर में कहा ।
(सामान्य भविष्यकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए : 1

वह बूढ़ी काकी पर झपटी और उन्हें हाथों से झटककर बोली ।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए : 1

(1) मैं आज रात का खाना नहीं खाऊँगा ।
(विधानार्थक वाक्य)

(2) मानू इतना ही बोल सकी।
(प्रश्नार्थक वाक्य)

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए : 2

(i) लक्ष्मी का एक झूब्बेदार पूँछ था ।

(ii) घर में तख्ते के रखे जाने का आवाज आता है।

(iii) सामने शेर देखकर यात्री का प्राण मानो मुरझा गया ।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

5. सूचना :– आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है। [26]

(अ) (1) पत्रलेखन : 5

रोहन/रोहिणी चौगुले, 42, विठ्ठल नगर, पंढरपूर से अपने छोटे भाई सोमेश चौगुले, म. फुले छात्रावास, अहमदनगर को मोबाईल के दुष्परिणामों को समझाते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

कल्पेश/कल्पना पाटेकर, 99, शिवालय चौक, इगतपुरी से अपनी गलत जन्मतिथि को सुधार करने हेतु प्रधानाचार्य, स्व. भैरोमल तलवाणी विद्यालय, नासिक को पत्र लिखता/लिखती है।

(2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों : 4

भारतीय वायुसेना की एक प्रशिक्षणार्थी डॉ. कु. गीता घोष ने उस दिन यह छलाँग लगाकर भारतीय महिलाओं की प्रगति के इतिहास में एक पन्ना और जोड़ दिया था। डॉ. घोष पहली भारतीय महिला हैं, जिन्होंने वायुयान से छतरी द्वारा उतरने का साहसिक अभियान किया था।

छतरी से उतरने का प्रशिक्षण पूरा करने के लिए हर छाताधारी को सात बार छतरी से उतरना पडता है। इनमें से पहली कूद तो रोमांचित होती ही है, वह कूद और भी रोमांचक होती है, जब उसे रात के अँधेरे में कहीं जंगल में अकेले उतरना होता है। डॉ. गीता न पहली कूद में घबराईं, न अन्य कूदों में और इसी प्रकार सातों कूदें उन्होंने सफलतापूर्वक पूरी कर लीं। प्रशिक्षण के दौरान उनका यह कथन कि 'मैं चाहती हूँ, जल्दी ये कूदें खत्म हों और मैं पूर्ण सफल छाताधारी बन जाऊँ', उनकी उमंग

Target Publications

तथा उत्साह को प्रकट करता है। डॉ. गीता के अनुसार, उनकी डॉक्टरी शिक्षा भी इसी अभियान में काम आई। फिर लगन और नए क्षेत्र में प्रवेश का उत्साह हो तो कौन-सा काम कठिन रह जाता है। प्रशिक्षण से पूर्व तो उन्हें और भी कठिन परीक्षाओं के दौर से गुजरना पड़ा था ।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन : **5**

सरस्वती विद्यालय, कोल्हापुर में मनाए गए 'शिक्षक दिवस' समारोह का **70** से **80** शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए ।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन :

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :

किसान के घर में चोर – घबराना – पत्नी की युक्ति – जोर-जोर से कहना – रुपए-गहने घर के पिछवाड़े बंजर जमीन में छिपा दिए हैं – चोर का बंजर जमीन खोदना – कुछ न मिलना – किसान का खुश होना।

(2) विज्ञापन लेखन : **5**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :

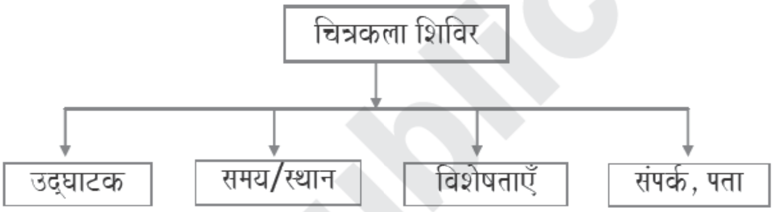

(इ) निबंध लेखन : **7**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :

(1) किसान की आत्मकथा

(2) भारत का चंद्रयान मिशन-3

(3) चाँदनी रात की सैर।

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2024

हिंदी लोकभारती

समय : 3 घंटे
कुल अंक : 80

सूचनाएँ :

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[8]**

टाँग से ज्यादा फिक्र मुझे उन लोगों की हुई जो हमदर्दी जताने मुझसे मिलने आएँगे। ये मिलने-जुलने वाले कई बार इतने अधिक आते हैं और कभी-कभी इतना परेशान करते हैं कि मरीज का आराम हराम हो जाता है, जिसकी मरीज को खास जरूरत होती है। जनरल वार्ड का तो एक नियम होता है कि आप मरीज को एक निश्चित समय पर आकर ही तकलीफ दे सकते हैं किंतु प्राइवेट वार्ड, यह तो एक खुला निमंत्रण है कि "हे मेरे परिचितो, रिश्तेदारो, मित्रो! आओ, जब जी चाहे आओ, चाहे जितनी देर रुको, समय का कोई बंधन नही। अपने सारे बदले लेने का यही वक्त है।" बदले का बदला और हमदर्दी की हमदर्दी। मिलने वालों का खयाल आते ही मुझे लगा मेरी दूसरी टाँग भी टूट गई।

मुझसे मिलने के लिए सबसे पहले वे लोग आए जिनकी टाँग या कुछ और टूटने पर मैं कभी उनसे मिलने गया था, मानो वे इसी दिन का इंतजार कर रहे थे कि कब मेरी टाँग टूटे और कब वे अपना एहसान चुकाएँ । इनकी हमदर्दी में यह बात खास छिपी रहती है कि देख बेटा, वक्त सब पर आता है।

दर्द के मारे एक तो मरीज को वैसे ही नींद नहीं आती, यदि थोड़ी-बहुत आ भी जाए तो मिलने वाले जगा देते हैं- खास के वे लोग जो सिर्फ औपचारिकता निभाने आते हैं।

(1) **निम्नलिखित वाक्य पूर्ण कीजिए :** **[2]**
   (i) मरीज का आराम हराम तब हो जाता है जब ....
   (ii) जब मिलने वालों का खयाल लेखक को आता है तब ....

(2) **उत्तर लिखिए :** **[2]**
   (i) हमदर्दी जताने वालों की फिक्र करने वाला -
   (ii) लेखक को परेशान करने वाले -
   (iii) मरीज को मिलने के संबंध में यहाँ समय का बंधन पाला जाता है -
   (iv) मरीज को इसके कारण नींद नहीं आती -

(3) (i) गद्यांश में आई हुई एक समानार्थी शब्द की जोड़ी ढूँढ़कर लिखिए। : **[1]**
   (ii) गद्यांश में प्रयुक्त दो उर्दू शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **[1]**
      (1) ....
      (2) ....

(4) 'आराम हराम है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

Target Publications

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[8]**

अभी समाज में यह चल रहा है कि बहुत से लोग अपनी आजीविका शरीर श्रम से चलाते हैं और थोड़े बौद्धिक श्रम से। जिनके पास संपत्ति अधिक है, वे आराम में रहते हैं। अनेक लोगों में श्रम करने की आदत भी नहीं है। इस दशा में उक्त नियम का अमल होना दूर की बात है फिर भी उसके पीछे जो तथ्य है, वह हमें स्वीकार करना चाहिए भले ही हमारी दुर्बलता के कारण हम उसे ठीक तरह से न निभा सकें क्योंकि आजीविका की साधन-सामग्री किसी-न-किसी के श्रम बिना हो ही नहीं सकती। इसलिए बिना शरीर श्रम किए उस सामग्री का उपयोग करने का न्यायोचित अधिकार हमें नहीं मिलता। अगर पैसे के बल पर हम सामग्री खरीदते हैं तो उस पैसे की जड़ भी अंत में श्रम ही है।

धनिक लोग अपनी ज्यादा संपत्ति का उपयोग समाज के हित में ट्रस्टी के तौर पर करें। संपत्ति दान यज्ञ और भूदान यज्ञ का भी आखिर आशय क्या है? अपने पास आवश्यकता से जो कुछ अधिक है, उसपर हम अपना अधिकार न समझकर उसका उपयोग दूसरों के लिए करें।

यह भी बहस चलती है कि धनिकों के दान से सामाजिक उपयोग के अनेक बड़े-बड़े कार्य होते हैं जैसे कि अस्पताल, विद्यालय आदि।

(1) उत्तर लिखिए : **[2]**

(i) समाज में अपनी आजीविका बहुत से लोग इससे चलाते हैं –

(ii) समाज में अपनी आजीविका थोड़े लोग इससे चलाते हैं –

(iii) आराम में रहने वाले लोगों के पास यह अधिक है –

(iv) अनेक लोगों में इसकी आदत नहीं है –

(2) कृति पूर्ण कीजिए : **[2]**

(i)

गद्यांश में उल्लेखित यज्ञ

(ii)

धनिकों के दान से होन वाले सामाजिक कार्य

(3) (i) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[1]**

उपसर्गयुक्त शब्द	शब्द	प्रत्यययुक्त शब्द
………………	← श्रम →	………………

(ii) गद्यांश में प्रयुक्त शब्दयुग्म ढूँढ़कर उसका अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए। **[1]**

(4) 'करोगे दान पाओगे सामाधान' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[4]**

सन 1911 में, सत्येंद्रनाथ ने उच्चतर माध्यमिक की विज्ञान की परीक्षा दी और प्रथम आए। मेघनाथ साहा ने ढाका कॉलेज से परीक्षा दी थी और वरीयता क्रम में वे दूसरे स्थान पर थे। निखिल रंजन सेन ने इस परीक्षा में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सत्येन, निखिल रंजन और मेघनाथ साहा ने विज्ञान स्नातक की पढ़ाई के लिए गणित को चुना। वार्षिक परीक्षा में सत्येंद्र प्रथम आए, मेघनाथ द्वितीय और निखिल रंजन तृतीय। सन 1915 की विज्ञान स्नातकोत्तर की परीक्षा में भी ऐसा ही परिणाम आया।

Target Publications

जल्द ही सत्येन विश्वविद्यालय में 'चौदह चश्मों वाले लड़के' के मशहूर हो गए । वह अपना खाली समय अपने सहपाठियों और निचली कक्षाओं में पढ़ रहे मित्रों को पढ़ाने में व्यतीत करते थे। वह उन्हें हरीश सिन्हा के घर पर पढ़ाते थे। नीरेंद्रनाथ राय और दिलीप कुमार राय को इन कक्षाओं से बहुत लाभ हुआ। इसी दौरान सत्येन 'सबूज पत्र' नामक दल से सक्रिय से जुड़ गए। दल के सदस्य प्रथमा चौधरी के घर पर इकट्ठे होते थे।

(1) उत्तर लिखिए : **[2]**

(i)

ढाका कॉलेज से परीक्षा में	
द्वितीय स्थान पाने वाले	तृतीय स्थान पाने वाले
↓	↓

(ii)

गद्यांश में उल्लेखित	
दल	सदस्य
↓	↓

(2) 'ज्ञान देने से ज्ञान बढ़ता है' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[6]**

किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृती का रहा पालना यहीं
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं । ...
चरित थे पूत, भुजा में शक्ति, नम्रता नही सदा संपन्न
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न।
हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव
वचन में सत्य, हृदय में तेज, प्रतिज्ञा में रहती थी टेव।
वही है रक्त, वही है देश, वही साहस है, वैसा ज्ञान
वही है शांति, वही है शक्ति, वही हम दिव्य आर्य संतान।
जिएँ तो सदा इसी के लिए, यही अभिमान रहे यह हर्ष
निछावर कर दें हम सर्वस्व, हमारा प्यारा भारतवर्ष ।

(1) उत्तर लिखिए : **[2]**

वचन में	संचय में	भुजा में	प्रतिज्ञा में
↓	↓	↓	↓
....	....	....	....

(2) (i) गद्यांश से विलोम शब्द की जोड़ी ढूँढकर लिखिए : **[1]**

.... x ....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानकर लिखिए : **[1]**

(i) भारत – ……………………………

(ii) भुजाएँ – ……………………………

(3) उपर्युक्त पद्यांश अंतिम **चार** पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [6]

घन घमंड नभ गरजत घोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा।।
दामिनी दमक रहहिं घन माहीं। खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं।।
बरषहिं जलद भूमि निअराएँ। जथा नवहिं बुध विद्‌या पाएँ।।
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे। खल के बचत संत सह जैसे।।
छुद्र नदी भरि चली तोराई। जस थोरेहुँ धन खल इतराई।।
भूमि परत भा ढाबर पानी। जनू जीवहिं माया लपटानी।।
समिटि-समिटि जल भरहिं तलावा। जिमी सदगुन सज्जन पहिं आवा।।
सरिता जल जलनिधि महुँ जाई। होई अचल जिमि जिव हरि पाई।।

(1) निम्नलिखित विधान सत्य अथवा असत्य पहचानकर लिखिए : [2]

(i) उपर्युक्त पद्‌यांश में शिशिर ऋतु का वर्णन किया है → ……………..

(ii) श्री राम जी का मन डर रहा है → ……………..

(iii) दुष्ट व्यक्ति का प्रेम स्थिर नहीं होता है → ……………..

(ग्न) सद्‌गुण एक–एक करके अपने आप सज्जन व्यक्ति के पास आ जात हैं→ ……………..

(२) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्‌यांश में प्रयुक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए : [1]

(1) दुष्ट –

(2) विद्‌वान –

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए : [1]

(1) बूँद →

(२) गिरी →

(3) उपर्युक्त पद्‌यांश से क्रमश : किन्हीं दो पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। [2]

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [4]

इस वर्ष बड़ी भीषण गरमी पड़ रही थी। दिन तो अंगारे से तपे रहते ही थे, रातों में भी लू और उमस से चैन नहीं मिलता था। सोचा इस लिजलिजे और घुटनभरे मौसम से राहत पाने के लिए कुछ दिन पहाड़ों पर बिता आएँ।

अगले सप्ताह ही पर्वतीय स्थल की यात्रा पर निकल पड़े। दो–तीन दिनों में ही मन में सुकून–सा महसूस होने लगा था। वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, हरे–भरे पहाड़ गर्व से सीना ताने खड़े, दीर्घता सिद्‌ध करते वृक्ष, पहाड़ों की नीरवता में हल्का–सा शोर कर अपना अस्तित्व सिद्‌ध करते झरने, मन बदलाव के लिए पर्याप्त थे।

Target Publications

> उस दिन शाम के वक्त झील किनारे टहल रहे थे। एक भुट्टेवाला आया और बोला– "साब, भुट्टा लेंगे। गरम–गरम भूनकर मसाला लगाकर दूँगा।" सहज ही पूछ लिया – "कितने का है?"
> "पाँच रुपये का।"
> "क्या? पाच रुपये में एक भुट्टा। हमारे शहर में तो दो रुपये में एक मिलता है, तुम तीन ले लो।"

(1) **संजाल पूर्ण कीजिए :** **[2]**

लेखक के मन को सुकून
देने वाले
प्राकृतिक घटक

(2) **'प्रकृति मन को प्रसन्न करती है' विषय पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए।** **[2]**

(आ) **निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **[4]**

> काँटों के बीच
> खिलखिलाता फूल
> देता प्रेरणा।
>
> भीतरी कुंठा
> आँखो के द्वार से
> आई बाहर।
>
> खारे जल से
> धुल गए विषाद
> मन पावन ।

(1) **उचित जोड़ियाँ मिलाइए :** **[2]**

	'अ'	'आ'
(i)	खिलखिलाता फूल	विषाद
(ii)	भीतरी	जल
(iii)	खारा	प्रेरणा
(iv)	पावन	कुंठा
		मन

(2) 'काँटों के बीच खिलनेवाला फूल प्रेरणा देता है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। [2]

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[14]**

(1) निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए **[1]**
क्या तुम कॉलेज में पढ़ी हो?

Target Publications

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **[1]**

(i) धीरे-धीरे

(ii) लेकिन

(3) कृति पूर्ण कीजिए : **[1]**

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
....	महा + आत्मा	....
	अथवा	
दुस्साहस	.... + ...	....

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए : **[1]**

(i) हम आगे बढ़ गए।

(ii) मैंने दरवाजा खोल दिया।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
....	....

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा दुवितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए : **[1]**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	दुवितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) चलना	....	....
(ii) मिलना	....	....

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : **[1]**

(i) टाँग अडाना ....

(ii) गला फाड़ना ....

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए : **[1]**

(काँप उठना ; हाथ फेरना)

रोते हुए बच्चे को गोद में उठाकर माँ स्नेह करने लगी ।

(7) निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारकों में से कोई एक कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए : **[1]**

(i) मकान पर मकान लदे हैं।

(ii) रामस्वरूप इशारे के लिए खाँसते हैं।

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए : **[1]**

हाँ मेरे पास बहुत से पत्र आते हैं

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना अनुसार काल परिवर्तन कीजिए : **[2]**

(i) मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

(ii) दोनों ही देर तक फूट–फूटकर रोते रहे। (अपूर्ण भूतकाल)

(iii) वे पुस्तक शांति से पढ़ते हैं। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकार लिखिए : **[1]**

मोटे तौर पर दो वर्ग किए जा सकते हैं।

Target Publications

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए :** **[1]**

(1) परिचय के बिना किसी को दाखिल करना चाहिए। (निषेधार्थक वाक्य)

(2) थोड़ी बातें हुई। (निषेधार्थक वाक्य)

(11) **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए :** **[2]**

(ग) घर में तख्त के रखे जाने का आवाज आता है।

(गग) करामत अली के आँखों में आँसू उतर आई ।

(गगग) ठीक उसी समय रूपा की आँखे खुला।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए : **[26]**

(अ) (1) **पत्रलेखन :** **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए :

राजेश/रजनी शर्मा, मातोश्री छात्रालय, चिचेवड से अपने छोटे भाई सयुश शर्मा 'नंदनवन' कालोनी, नांदेड को योग का महत्त्व समझाने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

अनिकेत/ अनिशा सोनावणे, गांधी मार्ग, सांगली से मा.व्यवस्थापक, मीरा स्पोर्ट्स, आझाद चौक, सातारा को क्रिकेट खेल सामग्री की माँग करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

(2) **गद्य आकलन – प्रश्ननिर्मिति :**

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में **एक-एक** वाक्य में हों : **[4]**

वाणी ईश्वर द्वारा मनुष्य को दी गई एक बड़ी देन है। वह मनुष्य के चिंतन का फलित है और उसका साधन भी। चिंतन के बगैरे वाणी नहीं और वाणी के बगैर चिंतन नहीं और दोनों के बगैर मनुष्य नहीं।

मनुष्य के जीवन का समाधान वाणी के संयम और उसके सदुपयोग पर निर्भर है। मनुष्य के सारे चिंतनशास्त्र वाणी पर आधारित हैं। दर्शनों का सारा प्रयास विचारों को वाणी में ठीक–से पेश करने के लिए रहा है। वाणी विचार का शरीर ही है। कोई खास विचार किसी खास शब्द में ही समाता है। इसलिए गंभीर चिंतन करने वाले निश्चित वाणी की खोजन करते रहते हैं।

पतंजली के बारे में कहते हैं कि उसने चित्तशुद्धि के लिए योगसूत्र लिखे, शरीरशुद्धि के लिए वैद्यक लिखा और वाक्शुद्धि के लिए व्याकरण महाभाष्य लिखा।

(आ) (1) **वृत्तांत लेखन :** **[5]**

गुरुकृपा विद्यालय, बीड में मनाए गए 'स्वतंत्रता दिन' समारोह का 70 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन :

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :

एक गाँव – होशियार लड़कियाँ – गाँव में पानी का अभाव – लड़कियों का घर के कामों में सहायता करना – दूर से पानी लाना – पढ़ाई के लिए कम समय मिलना – लड़कियों का पानी की समस्या पर चर्चा करना – समस्या सुलझाने का उपाय – गाँव वालों की सहायता से प्रयोग करना – सफलता पाना – ।

Target Publications

(2) **विज्ञापन लेखन :** **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :

क्रीड़ा शिवीर

- स्थान, तिथि, समय
- उद्‌घाटक, तज्ञ मार्गदर्शक
- विशेषताएँ
- प्रवेश शुल्क
- संपर्क, पत्ता

(इ) **निबंध लेखन :** **[7]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :

(1) किसान की आत्मकथा

(2) हमारी सैर

(3) यदि पुस्तकें न होतीं……..

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका: जुलाई 2023

हिंदी लोकभारती

समय: 3 घंटे **कुल अंक: 80**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

1. (अ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** **[8]**

रामस्वरूप	:	(दरी उठाते हुए) और बीबी जी के कमरे में से हरमोनियम उठा ला और सितार भी।....... जल्दी जा (रतन जाता है। पति-पत्नी तख्त पर दरी बिछाते हैं।)
प्रेमा	:	लेकिन वह तुम्हारी लाड़ली बेटी उमा तो मुँह फुलाए पड़ी है।
रामस्वरूप	:	क्या हुआ?
प्रेमा	:	तुम्हीं ने तो कहा था कि उसे ठीक-ठाक करके नीचे लाना।
रामस्वरूप	:	अरे हाँ, देखो, उमा से कह देना कि जरा करीने से आए। ये लोग जरा ऐसे ही हैं। खुद पढ़े-लिखे हैं, वकील हैं, सभा-सोसायटियों में जाते हैं; मगर चाहते हैं कि लड़की ज्यादा पढ़ी-लिखी न हो।
प्रेमा	:	और लड़का?
रामस्वरूप	:	बाप सेर है तो लड़का सवा सेर। बी.एस्सी. के बाद लखनऊ में ही तो पढ़ता है मेडिकल कॉलेज में। कहता है कि शादी का सवाल दूसरा है, पढ़ाई का दूसरा। क्या करूँ, मजबूरी है।
रतन	:	बाबू जी, बाबू जी! (धीमी आवाज में)
रामस्वरूप	:	(दरवाजे से बाहर झाँककर) अरे प्रेमा, वे आ भी गए। .... तुम उमा को समझा देना, थोड़ा-सा गा देगी। (मेहमानों से) हँ-हँ-हँ। आइए, आइए! [बाबू गोपाल प्रसाद बैठते हैं।] हँ-हँ! ..... मकान ढूँढ़ने में कुछ तकलीफ तो नहीं हुई?
गो.प्रसाद	:	(खँखारकर) नहीं। ताँगेवाला जानता था। रास्ता मिलता कैसे नहीं?
रामस्वरूप	:	हँ-हँ-हँ! (लड़के की तरफ मुखातिब होकर) और कहिए शंकर बाबू, कितने दिनों की छुट्टियाँ हैं?
शंकर	:	जी, कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं हैं। 'वीक एंड' में चला आया था।

(1) लिखिए: **[2]**

(i) गो. प्रसाद को मकान ढूँढ़ने में तकलीफ नहीं हुई कारण:

....

(ii) उमा को अवगत कलाएँ –

(1) ....

(2) ....

(2) तालिका पूर्ण कीजिए : [2]

रामस्वरूप द्वारा गो. प्रसाद के बारे में दी गई जानकारी
(i) ………………………………..
(ii) ………………………………..

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए: **[1]**

(1) लाड़ली - …………………………

(2) ताँगेवाला - …………………………

(ii) आकृति में दिए हुए शब्दों से कृदंत शब्द ढूँढ़कर उसका अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

पसीना, आवाज, पढ़ाई	कृदंत शब्द	वाक्य
	...………….	...………….

(4) 'बेटी पढ़ाओ' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

संस्था अपने आप चलेगी। समाज में ऐसी संस्था की अत्यंत आवश्यकता है। उस आवश्यकता में से ही उसका जन्म होगा। मुझे इतना विश्वास न होता तो बहन के लिए ऐसा कुछ मैं सूचित ही नहीं करता। तुम दोनों इस सूचना का प्रार्थनापूर्वक विचार करना लेकिन जल्दी में कुछ तय न करके यथासमय मुझे उत्तर देना। बहन यदि हाँ कहे तो अभी से आगे का विचार करने लगूँगा।

यहाँ सरदी अच्छी है। फूलों में गुलदाउदी, क्रिजेन्थीमम फूल बहार में हैं। उसकी कलियाँ महीनों तक खुलती ही नहीं मानो भारी रहस्य की बात पेट में भर दी हो और होठों को सीकर बैठ गई हों। जब खिलती हैं तब भी एक-एक पंखुड़ी करके खिलती हैं। वे टिकते हैं बहुत। गुलाब भी खिलने लगे हैं। कोस्मोस के दिन गए। उन्होंने बहुत आनंद दिया। जिनिया का एक पौधा, रास्ते के किनारे पर था जो आए सो उसकी कली तोड़े। फिर मैंने इस बड़े पौधे को वहाँ से निकालकर अपने सिरहाने के पास लगा दिया, फिर इसने इतने सुंदर फूल दिए। इसकी आँखें मानो उत्कटता से बोलती हों, ऐसी लगतीं। दो-एक महीने फूल देकर अंत में वह सूख गया। परसों ही मैंने उसे बिदा दी।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए : **[2]**

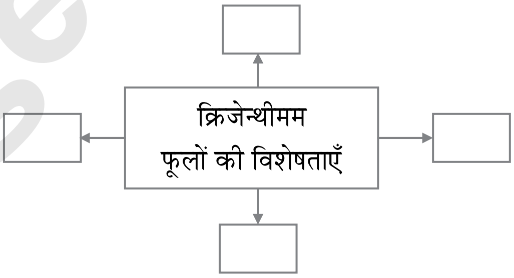

(2) एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए: **[2]**

(i) ये फूल भी खिलने लगे → ………………………

(ii) गद्यांश में उल्लेखित मौसम → ……………………

(iii) इन फूलों ने अधिक आनंद दिया → ……………………

(iv) लेखक ने इस फूल को विदा दी → ……………………

(3) (i) जिनका एकवचन और बहुवचन रूप गद्यांश में प्रयुक्त है ऐसा शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **[2]**

……………...………….. ……………...…………..

Target Publications

(ii) कृति पूर्ण कीजिए:

उपसर्गयुक्त शब्द ↓	← शब्द →	प्रत्यययुक्त शब्द ↓
	← दिन →	

(4) 'जीवन जीने की प्रेरणा फूलों से प्राप्त होती है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

गंगा बाबू से मेरा परिचय आज से कोई दस वर्ष पूर्व ही हुआ था। किंतु मुझे सदा ऐसा लगता था, जैसे वर्षों से उन्हें जानती हूँ। मेरा एक संस्मरण पढ़कर, उन्होंने मुझे जब पत्र लिखा तो मैंने उन्हें कभी देखा भी नहीं था। किंतु उस सरल पत्र की सहज-स्नेहपूर्ण भाषा ने जो चित्र उनका खींचकर रख दिया था, साक्षात्कार होने पर वे एकदम वैसे ही लगे। बूटा-सा कद, भारी-भरकम शरीर, सरल वेशभूषा और गांभीर्य-मंडित चेहरे को उद्भासित करती स्नेही मुस्कान। उन्होंने मेरे लेख को सराहा, यह मेरा सौभाग्य था। उस पत्र में उन्होंने लिखा था, "संस्मरण ऐसा हो कि जिसे कभी देखा भी न हो, उसकी साक्षात छवि ही सामने आ जाए, उसका क्रोध, उसकी परिहास रसिकता, उसकी दयालुता, उसकी गरिमा, उसकी दुर्बलता, सब कुछ सशक्त लेखनी आँकती चली जाए, वही उसकी सच्ची तस्वीर है, वही सफल संस्मरण है।"

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

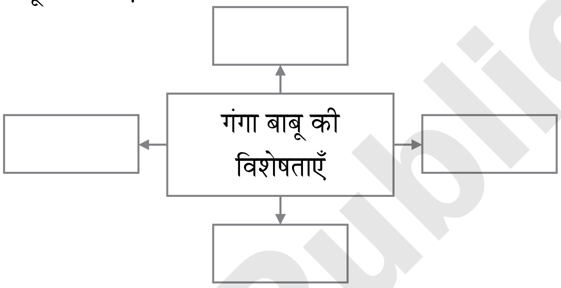

(2) आपको प्रभावित करने वाले व्यक्तित्व का वर्णन **25** से **30** शब्दों में कीजिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकट, मेरो पति सोई
छाँड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई?
संतन ढिग बैठि-बैठि, लोक लाज खोई।
अँसुवन जल सींचि-सींचि प्रेम बेलि बोई।
अब तो बेल फैल गई आणँद फल होई।।
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोई।
माखन जब काढ़ि लियो छाछ पिये कोई।।
भगत देखि राजी हुई जगत देखि रोई।
दासी 'मीरा' लाल गिरिधर तारो अब मोही।।

(1) निम्नलिखित विधान सत्य अथवा असत्य लिखिए: **[2]**

(i) श्रीकृष्ण के माथे पर मोरपंख का मुकुट है।

(ii) मीराबाई ने कुल की मर्यादा नहीं छोड़ी है।

Target Publications

(iii) मीराबाई ने प्रेम बेलि आँसुओं से नहीं सींची।
(iv) मीराबाई अपने आप को दासी कह रही है।

(2) (i) पद्यांश से निम्नलिखित अर्थ के शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **[1]**

(i) वंश =

(ii) पास =

(ii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(i) तिरस्कार × ……………………

(ii) छोटे × ……………………

(3) उपर्युक्त पद्यांश की क्रमश: किन्हीं **दो** पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

बीत गया हेमंत भ्रात, शिशिर ऋतु आई!
प्रकृति हुई द्युतिहीन, अवनि में कुंझटिका है छाई।
पड़ता खूब तुषार पद्मदल तालों में बिलखाते,
अन्यायी नृप के दंडों से यथा लोग दुख पाते।
निशा काल में लोग घरों में निज-निज जा सोते हैं,
बाहर श्वान, स्यार चिल्लाकर बार-बार रोते हैं।
अर्द्धरात्रि को घर से कोई जो आँगन को आता,
शून्य गगन मंडल को लख यह मन में है भय पाता।
तारे निपट मलीन चंद ने पांडुवर्ण है पाया,
मानो किसी राज्य पर है, राष्ट्रीय कष्ट कुछ आया।

(1) कृति पूर्ण कीजिए: **[2]**

शिशिर ऋतु में इनमें हुए परिवर्तन	
(i) प्रकृति	…………….…………….
(ii) तारे	…………….…………….
(iii) श्वान-सियार	…………….…………….
(iv) चंद	…………….…………….

(2) (i) पद्यांश से शब्दयुग्म ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) …………….…………….

(2) …………….…………….

(ii) निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए: **[1]**

(1) राष्ट्रीय –

(2) अन्यायी –

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम **चार** पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

Target Publications

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

मोथी घास और पटेर की रंगीन शीतलपाटी, बाँस की तीलियों की झिलमिलाती चिक, सतरंगे डोर के मोढ़े, भूसी-चुन्नी रखने के लिए मूँज की रस्सी के बड़े-बड़े जाले, हलवाहों के लिए ताल के सूखे पत्तों की छतरी-टोपी तथा इसी तरह के बहुत-से काम हैं जिन्हें सिरचन के सिवा गाँव में और कोई नहीं जानता। यह दूसरी बात है कि अब गाँव में ऐसे कामों को बेकाम का काम समझते हैं लोग। बेकाम का काम जिसकी मजदूरी में अनाज या पैसे देने की कोई जरूरत नहीं। पेट भर खिला दो, काम पूरा होने पर एकाध पुराना-धुराना कपड़ा देकर विदा करो। वह कुछ भी नहीं बोलेगा।...

कुछ भी नहीं बोलेगा; ऐसी बात नहीं, सिरचन को बुलाने वाले जानते हैं, सिरचन बात करने में भी कारगर है।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए: **[2]**

	अ	उत्तर	आ
(i)	बाँस की तीलियाँ		शीतलपाटी
(i)	सतरंगी डोर		बड़े-बड़े जाले
(iii)	मूँज की रस्सी		मोढ़े
(iii)	ताल के सूखे पत्ते		झिलमिलाती चिक
			छतरी टोपी

(2) लुप्त होने वाली कारीगरी को प्रोत्साहित करने के उपाय **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

अजी क्या कहिए, हाँ क्या कहिए।
जिस मिट्टी में लक्ष्मीबाई जी, जन्मी थीं झाँसी की रानी।
रजिया सुलताना, दुर्गावती, जो खूब लड़ी थीं मर्दानी।
जन्मी थी बीबी चाँद जहाँ, पद्मिनी के जौहार की ज्वाला।
सीता, सावित्री की धरती, जन्मी ऐसी-ऐसी बाला।
गर डींग जनाब उड़ाएँगे, तो मजबूरन ताने सहिए, ताने सहिए, ताने सहिए।
हम इस धरती की लड़की हैं.........

(1) उत्तर लिखिए: **[2]**

(i) पद्यांश में उल्लेखित दो ऐतिहासिक व्यक्तिरेखाएँ –

(ii) परिणाम लिखिए :
बड़ी-बड़ी बातें करेंगे तो –

(2) 'कथनी और करनी में समानता होनी चाहिए' अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[14]**

(1) निम्नलिखित वाक्य में आधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए: **[1]**
इस कहानी में <u>भारतीय</u> समाज का चित्रण मिलता है।

Target Publications

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

(i) कारण

(ii) प्राय:

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
यद्यपि	.... + ...	....
	अथवा	
....	दु: + लभ	....

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए: **[1]**

(i) उन्होंने पुस्तक लौटा दी।

(ii) शरीर को कुछ समय के लिए विश्राम मिल गया।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
....	....

(5) निम्नलिखित में से किसी **एक** क्रिया का प्रथम तथा **द्‌वितीय प्रेरणार्थक** रूप लिखिए: **[1]**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) पीसना	....	....
(ii) खाना	....	....

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

मुहावरा	अर्थ	वाक्य
(i) फूट-फूटकर रोना	....	....
(ii) निजात पाना	....	....

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**

(मुँह लटकाना, सीना तानकर खड़े रहना)

सीमा पर भारतीय सैनिक <u>निर्भय होकर खड़े रहते हैं</u>।

(7) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारकों में से कोई **एक** कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: **[1]**

(i) रूपा घटनास्थल पर आ पहुँची।

(ii) अरे! यह बुढ़िया कौन है।

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**

टाँग का टूटना यानी सार्वजनिक अस्पताल में कुछ दिन रहना

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** वाक्यों का सूचना अनुसार काल परिवर्तन कीजिए: **[2]**

(i) वे पुस्तक शांति से पढ़ते हैं। (सामान्य भूतकाल)

(ii) अली घर से बाहर चला जाता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(iii) सरकार एक ही टैक्स लगाती है। (सामान्य भविष्यकाल)

Target Publications

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकार लिखिए: **[1]**
वह बूढ़ी काकी पर झपटी और उन्हें दोनों हाथों से झटककर बोली।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए: **[1]**
(1) मैं आज रात का खाना खाऊँगा। (निषेधार्थक वाक्य)
(2) थोड़ी बातें हुईं। (विस्मयार्थक वाक्य)

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए: **[2]**
(i) डॉ. महादेव साहा ने बाजार को पुस्तकें खरीदे।
(ii) टिळक जी ने एक सज्जन के साथ की हुई व्यवहार बराबर था।
(iii) बरसों बाद पंडित जी को मित्र का दर्शन हुआ।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए: **[26]**

(अ) (1) पत्रलेखन: **[5]**
निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:
अंकिता/अंकित सांगळे, 111 स्टेशन रोड, लातूर से अपने मित्र/सहेली सुधीर/सुधा देशपांडे, किस्मत नगर, अकोला को नाट्य प्रतियोगिता में उत्कृष्ट अभिनय का पुरस्कार प्राप्त होने पर अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखती/लिखता है।

अथवा

रोहित/रोहिणी मोरे, शीतल नगर, मालेगाँव से व्यवस्थापक, भारतीय स्टेट बैंक, मारुती नगर शाखा, मालेगाँव को बैंक खाता खुलवाने हेतु आवेदन पत्र लिखता/लिखती है।

(2) गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति:
निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में **एक-एक** वाक्य में हों: **[4]**

सुश्री टेसी थॉमस शांत-निश्चल शहर अलप्पुझा (केरल) की हैं, जो अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है और अप्रवाही जल (बैकवॉटर्स) पर तैरते शिकारे (हाऊसबोट्स) देखने में आनंद अनुभव करने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। बचपन से ही उन्हें विज्ञान और गणित से प्रेम रहा। तिरुवनंतपुरम के बाह्यांचल पर स्थित थुंबा से रॉकेट लाँच होते देख वे आश्चर्य से भर उठतीं। वे याद करते हुए बताती हैं कि 1985 में उन्हें रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) के एक कार्यक्रम के लिए भारतभर से चुने गए 10 युवाओं में शामिल किया गया। वे उससे जुड़ी कोई चीज नहीं भूलीं, क्योंकि उसने उन्हें मिसाइलों के संसार का निकटता से दर्शन करने का अवसर उपलब्ध कराया। उस समय वे इस संगठन का एक अंग बनने का सपना देखा करतीं, जो बाद में न केवल उनकी सेवाओं से लाभान्वित हुआ, बल्कि जिसने आश्चर्यजनक और विलक्षण प्रतीत होने वाले कार्य संपन्न करने के लिए उनके समस्त अनुभव और विशेषता का उपयोग किया।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन: **[5]**
समता विद्यालय बीड़ में मनाए गए 'हिंदी दिवस' समारोह का 70 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।
(वृत्तांत लेखन में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन:

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक मजदूर – दिनभर श्रम करना – बनिया की दुकान से रोज चावल खरीदना – बनिये द्वारा बचत की सलाह – मजदूर का उपेक्षा करना – बनिया द्वारा मजदूर के चावलों में से थोड़ा-थोड़ा चावल अलग करना – पंद्रह दिन बाद मजदूर के हाथ में दो किलो चावल देना – मजदूर का आश्चर्यचकित होना – बनिया का बचत की बात बताना – मजदूर को बचत का महत्त्व समझना।

(2) विज्ञापन लेखन: **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

पुष्प प्रदर्शनी

- स्थान, तिथि, समय
- उपलब्धियाँ तथा विशेषताएँ
- उद्घाटक
- संपर्क

(इ) निबंध लेखन: **[7]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर **80 से 100** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) आदर्श विद्यार्थी

(2) मैं मोबाइल बोल रहा हूँ……

(3) समय बड़ा बलवान।

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2023

हिंदी लोकभारती

समय: 3 घंटे **कुल अंक: 80**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

सबसे पहले हम अंजुना बीच पहुँचे। गोवा में छोटे-बड़े करीब ४० बीच हैं लेकिन प्रमुख सात या आठ ही हैं। अंजुना बीच नीले पानीवाला, पथरीला बहुत ही खूबसूरत है। इसके एक ओर लंबी सी-पहाड़ी है, जहाँ से बीच का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। समुद्र तक जाने के लिए थोड़ा नीचे उतरना पड़ता है। नीला पानी काले पत्थरों पर पछाड़ खाता रहता है। पानी ने काट-काटकर इन पत्थरों में कई छेद कर दिए हैं जिससे ये पत्थर कमजोर भी हो गए हैं। साथ ही समुद्र के काफी पीछे हट जाने से पत्थरों के बीच में पानी भर गया है। इससे वहाँ काई ने अपना घर बना लिया है। फिसलने का डर हमेशा लगा रहता है लेकिन संघर्षों में ही जीवन है, इसलिए यहाँ घूमने का भी अपना अलग आनंद है। यहाँ युवाओं का दल तो अपनी मस्ती में डूबा रहता है, लेकिन परिवार के साथ आए पर्यटकों का ध्यान अपने बच्चों को खतरों से सावधान रहने के दिशानिर्देश देने में ही लगा रहता है। मैंने देखा कि समुद्र किनारा होते हुए भी बेनालिया बीच तथा अंजुना बीच का अपना-अपना सौंदर्य है। बेनालियम बीच रेतीला तथा उथला है। यह मछुआरों की पहली पसंद है।

(1) विशेषताएँ लिखिए: **[2]**

(i) अंजुना बीच → ☐ ☐

(ii) बेनालियम बीच → ☐ ☐

(2) **एक-दो** शब्दों में उत्तर लिखिए: **[2]**

(i) गोवा के छोटे-बड़े बीच की संख्या ....

(ii) काई ने यहाँ घर बना लिया था ....

(iii) अपने बच्चों को खतरों से सावधान कराने वाले ....

(iv) बेनालियम बीच इनकी पहली पसंद है ....

Target Publications

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) बदसूरत × ....

(2) नापसंद × ....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए पर्यायवाची शब्द लिखिए: **[1]**

(1) कमजोर – ....

(2) आनंद – ....

(4) अपने द्‌वारा किए हुए पर्यटन का एक अनुभव 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

आम तौर से माना जाता है कि रुपया, नोट या सोना-चाँदी का सिक्का ही संपत्ति है, लेकिन यह ख्याल गलत है क्योंकि ये तो संपत्ति के माप-तौल के साधन मात्र हैं। संपत्ति तो वे ही चीजें हो सकती हैं जो किसी-न-किसी रूप में मनुष्य के उपयोग में आती हैं। उनमें से कुछ ऐसी हैं जिनके बिना मनुष्य जिंदा नहीं रह सकता एवं कुछ, सुख-सुविधा और आराम के लिए होती हैं। अन्न, वस्त्र और मकान मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ हैं जिनके बिना उसकी गुजर-बसर नहीं हो सकती। इनके अलावा दूसरी अनेक चीजें हैं जिनके बिना मनुष्य रह सकता है।

प्रश्न उठता है कि संपत्तिरूपी ये सब चीजें बनती कैसे हैं? सृष्टि में जो नानाविध द्रव्य तथा प्राकृतिक साधन हैं, उनको लेकर मनुष्य शरीर श्रम करता है, तब यह काम की चीजें बनती हैं। अत: संपत्ति के मुख्य साधन दो हैं: सृष्टि के द्रव्य और मनुष्य का शरीर श्रम। यंत्र से कुछ चीजें बनती दिखती हैं पर वे यंत्र भी शरीर श्रम से बनते हैं और उनको चलाने में भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शरीर श्रम की आवश्यकता होती है। केवल बौद्‌धिक श्रम से कोई उपयोग की चीज नहीं बन सकती अर्थात बिना शरीर श्रम के संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता।

(1) आकृति में दिए गए शब्दों का सूचना के अनुसार वर्गीकरण कीजिए: **[2]**

रुपया, सृष्टि के द्रव्य, वस्त्र, मनुष्य का शरीर श्रम, अन्न, मकान

संपत्ति के मुख्य साधन	मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकता
(1)	(1) ....
(2)	(2) ....

(2) उत्तर लिखिए: **[2]**

गद्‌यांश में उल्लेखित ख्याल	ख्याल गलत होने का कारण
________________	________________

(3) सूचनाओं के अनुसार कृति पूर्ण कीजिए: **[2]**

(i) गद्‌यांश में प्रयुक्त शब्दयुग्म लिखिए:

(1) ....

(2) ....

(ii) वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए:

चीजें बनती दिखती हैं।

(4) 'शारीरिक श्रम का महत्त्व' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

Target Publications

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

मधुरता सत्य का अनुपान है और मितता उसका पथ्य है। जिसे हम सम्यक वाणी कहते हैं; वह सत्य, मित और मधुर होती है और वही परिणामकारक भी होती है। समाज का हित किस बात में है, यह समझना कभी कठिन हो सकता है। परंतु सम्यक वाणी से ही वह सधेगा, यह किसी भी आदमी के लिए समझना कठिन नहीं होना चाहिए।

परंतु यही आज भारी हो रहा है। समाजहित के नाम पर कार्यकर्ताओं की वाणी दूषित हो गई है, अर्थात मन ही दूषित हो गया है। फिर कृति कैसे भूषित हो सकती है?

आज लेखन व भाषण के साधन सुलभतम हो गए हैं। परंतु शायद इसी कारण सभ्य वाणी दुर्लभ हो गई है। सभ्य वाणी को खोजकर सुलभ साधनों की प्राप्ति करना यानी कवि की भाषा में नेत्र बेचकर चित्र खरीदने जैसा है।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

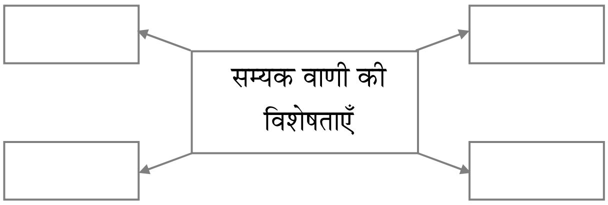

(2) 'वाणी : मनुष्य को प्राप्त वरदान' इस विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है,
जगत में मधुमास, उसपर सदा पतझर रहा है,
दीनता अभिमान जिसका, आज उसपर मान कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।
चूसकर श्रम रक्त जिसका, जगत में मधुरस बनाया,
एक-सी जिसको बनाई, सृजक ने भी धूप-छाया,
मनुजता के ध्वज तले, आह्वान उसका आज कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।

(1) आकृति में लिखिए: **[2]**

(i)

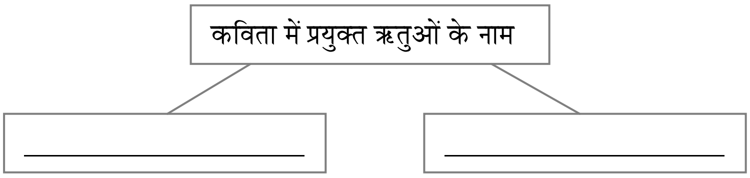

(ii)

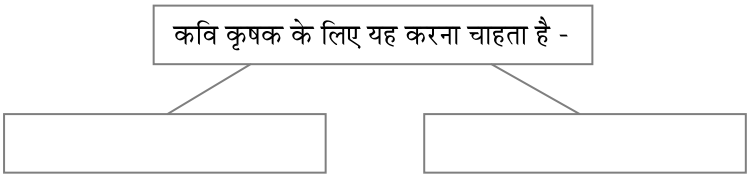

Target Publications

(2) (i) उपर्युक्त पद्यांश से 'ता' प्रत्यययुक्त **दो** शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **[1]**

(1) ………………………………….

(2) ……………………………….....

(ii) पद्यांश में आए **दो** संस्कृत शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) ………………………………….

(2) ……………………………….....

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम **चार** पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

दादुर धुनि चहुँ दिसा सुहाई। बेद पढ़हिं जनु बटु समुदाई।।
नव पल्लव भए बिटप अनेका। साधक मन जस मिले बिबेका।।
अर्क-जवास पात बिनु भयउ। जस सुराज खल उद्यम गयऊ।।
खोजत कतहुँ मिलइ नहिं धूरी। करइ क्रोध जिमि धरमहिं दूरी।।
ससि संपन्न सोह महि कैसी। उपकारी कै संपति जैसी।।
निसि तम घन खद्योत बिरजा। जनु दंभिन्ह कर मिला समाजा।।
कृषी निरावहिं चतुर किसाना। जिमि बुध तजहिं मोह-मद-माना।।
देखिअत चक्रबाक खग नाहीं। कलिहिं पाइ जिमि धर्म पराहीं।।
विविध जंतु संकुल महि भ्राजा। प्रजा बाढ़ जिमि पाई सुराजा।।
जहँ-तहँ रहे पथिक थकि नाना। जिमि इंद्रिय गन उपजे ग्याना।।

(1) परिणाम लिखिए: **[2]**

(i) कलियुग आने से ……………..……………..

(ii) सुराज होने से ……………..……………..

(iii) बरसात के आने से ……………..……………..

(iv) क्रोध के आने से ……………..……………..

(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **[2]**

(i) ऐसे दो शब्द जिनका वचन परिवर्तन से रूप नहीं बदलता:

(1) ……………..……………..

(2) ……………..……………..

(ii) ऐसे शब्द जिनका अर्थ निम्न शब्द हो:

(1) मेंढक = ……………..……………..

(2) वृक्ष = ……………..……………..

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम **चार** पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

> रूपा उस समय कार्य भार से उद्विग्न हो रही थी। कभी इस कोठे में जाती, कभी उस कोठे में, कभी कड़ाह के पास आती, कभी भंडार में जाती। किसी ने बाहर से आकर कहा – 'महाराज ठंडाई माँग रहे हैं।' ठंडाई देने लगी। आदमी ने आकर पूछा – 'अभी भोजन तैयार होने में कितना विलंब है? जरा ढोल–मंजीरा उतार दो।' बेचारी अकेली स्त्री दौड़ते-दौड़ते व्याकुल हो रही थी, झुँझलाती थी, कुढ़ती थी, परंतु क्रोध प्रकट करने का अवसर न पाती थी। भय होता, कहीं पड़ोसिनें यह न कहने लगें कि इतने में उबल पड़ीं। प्यास से स्वयं कंठ सूख रहा था। गरमी के मारे फुँकी जाती थी परंतु इतना अवकाश भी नहीं था कि जरा पानी पी ले अथवा पंखा लेकर झले। यह भी खटका था कि जरा आँख हटी और चीजों की लूट मची।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

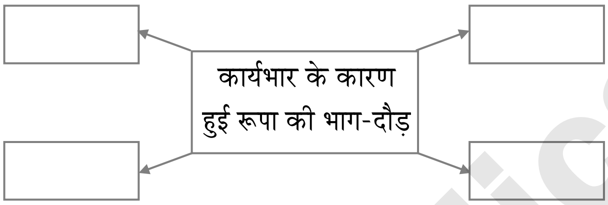

(2) 'कर्तव्यनिष्ठा और कार्यपूर्ति' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

> मन की पीड़ा
> छाई बन बादल
> बरसीं आँखें।
>
> चलतीं साथ
> पटरियाँ रेल की
> फिर भी मौन।
>
> सितारे छिपे
> बादलों की ओट में
> सूना आकाश।

(1) उत्तर लिखिए: **[2]**

(i) मौन बनी – ....

(ii) छिपे हुए – ....

(iii) बरसीं हुईं – ....

(iv) सूना – ....

(2) 'मन के जीते जीत है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

Target Publications

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[14]**

(1) अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए: **[1]**

<u>गोवा</u> देख मैं तरंगायित हो उठा।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

(i) और

(ii) बहुत

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
………………	सम् + तोष	………………
	अथवा	
सदैव	……… + ………	………………

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए: **[1]**

(i) इधर बच्चे रेत का घर बनाने लगे।

(ii) फिर भी धूप तीखी ही होती जाती।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
……………	……………

(5) निम्नलिखित में से किसी **एक** क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए: **[1]**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) खाना	……………	……………
(ii) धुलना	……………	……………

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

मुहावरा	अर्थ	वाक्य
(i) शेखी बघारना	……………	……………
(ii) निजात पाना	……………	……………

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**

(दाद देना, काँप उठना)

गीता के गाने की सभी श्रोताओं ने <u>प्रशंसा</u> की।

(7) निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारकों में से कोई **एक** कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: **[1]**

(i) कितने दिनों की छुट्‌टियाँ हैं?

(ii) आवाज ने मेरा ध्यान बँटाया।

कारक चिह्न	कारक भेद
……………	……………

Target Publications

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**
उन्होंने पूछा यह कौन-सा महीना चल रहा है

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** वाक्यों का सूचना अनुसार काल परिवर्तन कीजिए: **[2]**
(i) बहुत से लोग अपनी आजीविका शरीर श्रम से चलाते हैं। (अपूर्ण भूतकाल)
(ii) वे बाजार से नई पुस्तक खरीदते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)
(iii) आप इतनी देर से नाप-तौल करते हैं। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकार लिखिए: **[1]**
आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए: **[1]**
(1) तुम्हें अपना ख्याल रखना चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य)
(2) थोड़ी देर बातें हुईं। (निषेधार्थक वाक्य)

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए: **[2]**
(i) बरसों बाद पंडित जी को मित्र का दर्शन हुआ।
(ii) लड़का, पिता जी और माँ बाजार को गई।
(iii) मैं मेरे देश को प्रेम करता हूँ।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए: **[26]**

(अ) (1) पत्रलेखन: **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

सुनिल/समिक्षा जोशी, विवेकानंद छात्रावास, जालना से अपने छोटे भाई सुमित जोशी, 6/36 जोशी मार्ग, इंदौर, मध्य प्रदेश को "योग का महत्त्व" समझाते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

मोहन/महिमा पालेकर, यशवंतराव चव्हाण नगर, अकोट से व्यवस्थापक, संजीवनी औषधालय, लक्ष्मी रोड, नागपुर को पत्र लिखकर आयुर्वेदिक औषधियों की माँग करता/करती है।

(2) गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति:

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में **एक-एक** वाक्य में हों: **[4]**

बसंत के आगमन के साथ ही कभी-कभी ऐसा लगता है, मानो जंगल में लाल रंग की लपटें उठ रही हों, ये लपटें आग नहीं बल्कि पलाश के नारंगीपन लिए लाल फूलों की होती हैं। पलाश के लाल-लाल फूल आग की लपटों के समान ही दिखाई देते हैं। इसीलिए इसे 'फ्लेम ऑफ द फायर' कहा जाता है।

पलाश भारतीय भूल का एक प्राचीन वृक्ष है। इसे आदिदेव ब्रह्मा और चंद्रदेव से संबंधित अलौकिक वृक्ष माना जाता है। इसमें एक ही स्थान पर तीन पत्ते होते हैं। इस पर कहावत प्रचलित है– 'ढाक के तीन पात'। इसकी लकड़ी का हवन में उपयोग किया जाता है। इसीलिए इसे याज्ञिक भी कहते हैं। यज्ञ में काम आने वाले पात्र भी पलाश की लकड़ी से बनाए जाते हैं।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन: **[5]**

युनियन हायस्कूल मुंबई में मनाए गए 'वृक्षारोपण समारोह' का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए। (वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन:

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक गाँव – पीने के पानी की समस्या – दूर-दूर से पानी लाना – सभी परेशान – सभा का आयोजन – मिलकर श्रमदान का निर्णय – दूसरे दिन से केवल एक आदमी का काम में जुटना – धीरे-धीरे एक-एक का आना – सारा गाँव श्रमदान में – तालाब की खुदाई – बरसात के दिनों जमकर बारिश – तालाब का भरना – सीख।

(2) विज्ञापन लेखन: **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

(इ) निबंध लेखन: **[7]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) एक किसान की आत्मकथा

(2) मेरा प्रिय खेल

(3) पुस्तक प्रदर्शनी में एक घंटा

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका: जुलाई 2022

हिंदी लोकभारती

समय: 3 घंटे **कुल अंक: 80**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

बहन उनको संगीत की, भक्ति की तथा प्रेमयुक्त सलाह की खुराक दें। आगे चलकर संस्था की जमीन पर छोटे-छोटे मकान बनाए जाएँगे और उसमें संस्था के नियम के अधीन रहकर आने वाली महिलाएँ दो-दो, चार-चार का परिवार चलाएँगी, ऐसी संस्थाएँ मैंने देखी हैं। इसलिए जो बिलकुल संभव है, बहुत ही उपयोगी है। ऐसा ही काम मैंने सूचित किया है, इतने वर्ष के बहन के परिचय के बाद उनकी शक्ति, कुशलता और उनकी मर्यादा का ख्याल मुझे है। प्रत्यक्ष कोई हिस्सा लिए बिना मेरी सलाह और सहारा तो रहेगा ही। आगे जाकर बहन को लगेगा कि उनको तो मात्र निमित्तमात्र होना था। संस्था अपने आप चलेगी। समाज में ऐसी संस्था की अत्यंत आवश्यकता है। उस आवश्यकता में से ही उसका जन्म होगा। मुझे इतना विश्वास न होता तो बहन के लिए ऐसा कुछ मैं सूचित ही नहीं करता। तुम दोनों इस सूचना का प्रार्थनापूर्वक विचार करना लेकिन जल्दी में कुछ तय न करके यथासमय मुझे उत्तर देना। बहन यदि हाँ कहे तो अभी से आगे का विचार करने लगूँगा। यहाँ सरदी अच्छी है। फूलों में गुलदउदी, क्रिजेन्थीमम फूल बहार में है। उसकी कलियाँ महीनों तक खुलती ही नहीं मानो भारी रहस्य की बात पेट में भर दी हो और होठों को सीकर बैठे गई हों। जब खिलती हैं तब भी एक-एक पंखुड़ी करके खिलती हैं। वे टिकते हैं बहुत। गुलाब भी खिलने लगे हैं। कोस्मोस के दिन गए।

(1) संजाल में लिखिए: **[2]**

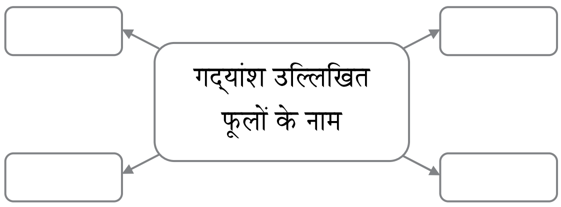

(2) (i) आश्रम में बहनों को यह खुराक मिलें **[1]**

(1) .... — भक्ति की — (2) ....

(ii) काकासाहब को बहन की इन बातों का खयाल है **[1]**

(1) .... — मर्यादा — (2) ....

Target Publications

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के कृदंत रूप बनाइए: **[1]**

(1) चलना - .... (2) रहना - ....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के तद्धित रूप बनाइए: **[1]**

(1) गुलाब - .... (2) रहस्य - ....

(4) 'अनुशासन का महत्त्व' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

रामस्वरूप : अबे! धीरे-धीरे चल। ..... अब तख्त को उधर मोड़ दे...... उधर।

रतन : बिछा दें साहब?

रामस्वरूप : और क्या करेगा? परमात्मा के यहाँ अक्ल बँट रही थी तू देर से पहुँचा था क्या? .... बिछा दूँ साहब! ..... और यह पसीना किसलिए बहाया है?

रतन : हीं-हीं-हीं।

रामस्वरूप : और बीबी जी के कमरे में से हारमोनियम उठा ला और सितार भी। ...... जल्दी जा।

प्रेमा : लेकिन वह तुम्हारी लाड़ली बेटी उमा तो मुँह फुलाए पड़ी है।

रामस्वरूप : क्या हुआ?

प्रेमा : तुम्हीं ने तो कहा था कि उसे ठीक-ठाक करके नीचे लाना।

रामस्वरूप : अरे हाँ, देखो, उमा से कह देना कि जरा करीने से आए। ये लोग जरा ऐसे ही हैं। खुद पढ़े-लिखे हैं, वकील हैं, सभा-सोसायटियों में जाते हैं; मगर चाहते हैं कि लड़की ज्यादा पढ़ी-लिखी न हो।

प्रेमा : और लड़का?

रामस्वरूप : बाप सेर है तो लड़का सवा सेर। बी.एस्सी. के बाद लखनऊ में ही तो पढ़ता है, मेडिकल कॉलेज में। कहता है कि शादी का सवाल दूसरा है, पढ़ाई का दूसरा। क्या करूँ, मजबूरी है।

रतन : बाबू जी, बाजू जी!

रामस्वरूप : अरे प्रेमा, वे आ भी गए।..... तुम उमा को समझा देना, थोड़ा-सा गा देगी। हँ-हँ-हँ! आइए! हँ-हँ!..... मकान ढूँढ़ने में कुछ तकलीफ तो नहीं हुई?

गो. प्रसाद : नहीं! ताँगेवाला जानता था। रास्ता मिलता कैसे नहीं?

रामस्वरूप : हँ-हँ-हँ! और कहिए शंकर बाबू, कितने दिनों की छुट्टियाँ है?

(1) (i) कृति पूर्ण कीजिए : **[2]**

रिश्ते लिखिए:

(i) रामस्वरूप-रतन – ....

(ii) रामस्वरूप-प्रेमा – ....

(iii) प्रेमा-उमा – ....

(iv) गोपाल प्रसाद-शंकर – ....

(2) (i) लिखिए : **[1]**

पेशे से ← गोपाल प्रसाद → ऐसी बहू चाहते हैं

↓ ↓

[ ] [ ]

(ii) गद्यांश में उल्लिखित दो वाद्य: **[1]**

(1) .... (2) ....

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर फिर से लिखिए: **[1]**

(1) बेटी - .... (2) शादियाँ - ....

Target Publications

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर फिर से लिखिए: **[1]**

(1) पसीना - .... (2) अक्ल - ....

(4) 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

कश्मीर की पर्वतमालाएँ आकाश चूमती नजर आती हैं। दूर तक फैली वादियों में देवदार और चीड़ के घने जंगल हैं। कल-कल करती हिमानी नदियाँ बहती हैं। अनेक बड़ी झीलें हैं। इस खूबसूरत भूमि ने सभी का मन मोह लिया है। गर्मियों में मीठे स्वादिष्ट फलों और मनमोहक फूलों की बहार होती है। सर्दियों में ऊँचे पहाड़ों की चोटियों से लेकर बलखाती घाटियों और वादियों तक चारों तरफ फैली बर्फ ही बर्फ। यह है कश्मीर, जिसकी प्राकृतिक छटा निराली और मनोहारी है। इसलिए इसे पृथ्वी का स्वर्ग कहते हैं। हवा में मस्ती के साथ झूमते सफेदे के लंबे, ऊँचे पेड़ों और घने चिनार वृक्षों की शोभा देखने योग्य है। चिनार के वृक्ष ईरान से लाकर यहाँ लगाए थे।

बादाम, अखरोट, नाशपाती, सेब, गोशा, आलूबुखारा और खुबानी यहाँ के विशेष फल हैं। यहाँ शहतूत भी होता है - जिसे 'शाहतुल' कहते हैं। जंगलों में इमारती लकड़ी मिलती है जो नदियों में बहाकर एक जगह से दूसरी जगह ले जाई जाती है। केसर की प्राकृतिक खेती का यहाँ सिर्फ एक ही स्थल है। श्रीनगर जाते हुए रास्ते में पांपोर के पास ही सड़क के दोनों ओर केसर के खेत नजर आते हैं। केसर को कश्मीर में 'क्वंग' और केसर के फूल को 'क्वंगपोश' कहते हैं। खूबसूरत नरगिस के मनमोहक फूलों की यहाँ भरमार रहती है।

(1) एक-दो शब्दों में उत्तर लिखिए: **[2]**

(i) वादियों में इनके घने जंगल = (1) .... (2) ....

(ii) गद्यांश में आए मौसम = (1) .... (2) ....

(2) 'भारत भूमि विविधता से संपन्न है' इस विषय पर **25** से **30** शब्दों में विचार व्यक्त कीजिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

फागुन के दिन चार होरी खेल मना रे।
बिन करताल पखावज बाजै, अणहद की झनकार रे।
बिन सुर राग छतीसूँ गावै, रोम-रोम रणकार रे ।।
सील संतोख की केसर घोली, प्रेम-प्रीत पिचकार रे ।
उड़त गुलाल लाल भयो अंबर, बरसत रंग अपार रे ।।
घट के पट सब खोल दिए हैं, लोकलाज सब डार रे ।
'मीरा' के प्रभु गिरिधर नागर, चरण कँवल बलिहार रे ।।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

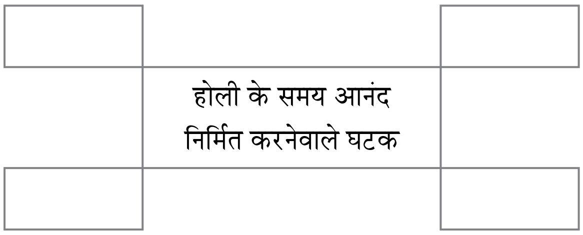

(2) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों : **[2]**

(i) अंबर – .... (ii) फागुन –..................

(3) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

Target Publications

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

बीत गया हेमंत भ्रात, शिशिर ऋतु आई!
प्रकृति हुई द्युतिहीन, अवनि में कुंझटिका है छाई।
पड़ता खूब तुषार पद्मदल तालों में बिलखाते,
अन्यायी नृप के दंडों से यथा लोग दुख पाते।
निशा काल में लोग घरों में निज-निज जा सोते हैं,
बाहर श्वान, स्यार चिल्लाकर बार-बार रोते हैं।
अर्द्धरात्रि को घर से कोई जो आँगन को आता,
शून्य गगन मंडल को लख यह मन में है भय पाता।

(1) उत्तर लिखिए:

(i) पद्यांश में आए ऋतुओं के नाम: **[1]**

(1) ……………..…………….. (2) ……………..……………..

(ii) पद्यांश में आए पशुओं के नाम: **[1]**

(1) ……………..…………….. (2) ……………..……………..

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त विलोमार्थक शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) न्यायी × ……..…………….. (2) सुख × ……..……………..

(ii) पद्यांश में आए 'अवनि' शब्द के पर्यायवाची शब्द लिखिए: **[1]**

(1) ……………..…………….. (2) ……………..……………..

(3) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम **चार** पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

"यह भ्रष्टाचार की बहन है जैसे विशेष अवसरों पर हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं। इसका स्वरूप भी कुछ-कुछ वैसा ही है लेकिन उपहार देकर हम केवल खुशियों या कर्तव्यों का आदान-प्रदान करते हैं। इससे अधिक कुछ नहीं जबकि रिश्वत देने से रुके हुए कार्य, दबी हुई फाइलें, टलती हुई पदोन्नति, रोकी गई नौकरी आदि में इसके कारण सफलता हासिल की जा सकती है। तब भी यह समाज के माथे पर कलंक है, इसका समर्थन कतई नहीं किया जा सकता, ऐसी मेरी धारणा है।" कहकर वह तेजी से बाहर निकल आया। जानता था कि यहाँ भी चयन नहीं होगा।

पर भीतर बैठे अधिकारियों ने …..गंभीरता से विचार-विमर्श करने के बाद युवक के सही उत्तर की दाद देते हुए उसका चयन कर लिया। आज वह समझा कि 'सत्य कुछ समय के लिए निराश हो सकता है, परास्त नहीं।'

(1) उत्तर लिखिए: **[2]**

रिश्वत देने से होने वाले काम

(i) …………………… (ii) ……………………

(iii) …………………… (iv) ……………………

(2) 'भ्रष्टाचार एक अभिशाप', इस विषय पर अपने विचार **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

Target Publications

(आ) **निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** **[4]**

चलतीं साथ
पटरियाँ रेल की
फिर भी मौन।
सितारे छिपे
बादलों की ओट में
सूना आकाश।
तुमने दिए
जिन गीतों को स्वर
हुए अमर।
सागर में भी
रहकर मछली
प्यासी ही रही।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाकर फिर से लिखिए: **[2]**

	अ		आ
(i)	मछली	(1)	मौन
(i)	गीतों के स्वर	(2)	सूना
(iii)	रेल की पटरियाँ	(3)	प्यासी
(iv)	आकाश	(4)	अमर
			साथ

(2) 'जल ही जीवन है' इस पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[14]**

(1) निम्नलिखित वाक्य में आधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए: **[1]**
यहाँ सरदी अच्छी है।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**
(i) और (ii) आह!

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
....	नि: + आशा	....
	अथवा	
संतोष	....	....

Target Publications

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए: **[1]**

(i) सिरचन का मुँह लाल हो गया।

(ii) वे पुस्तक पकड़े न रख सके।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
....	....

(5) निम्नलिखित में से किसी **एक** क्रिया का प्रथम तथा **द्वितीय प्रेरणार्थक** रूप लिखिए: **[1]**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) घूमना	....	....
(ii) बनना	....	....

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

(i) डींग मारना (ii) मुँह लटकाना

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**

(बोलबाला होना, तिलमिला जाना)

पंडित बुद्धिराम काकी को देखते ही क्रोध में आ गए।

(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: **[1]**

(i) मैं अपनी टाँगों की ओर देखता हूँ।

(ii) रूपा स्वभाव से तीव्र थी।

कारक चिह्न	कारक भेद
....	....

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**

केवल टीका, नथुनी बिछीया रख लिए थे

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** वाक्यों का सूचना अनुसार काल परिवर्तन कीजिए: **[2]**

(i) सोनाबाई अपने बच्चों के साथ आती है। (सामान्य भविष्यकाल)

(ii) चढ़ावे के नाम पर सिर्फ पाँच ग्राम सोने के गहने आएँगे। (पूर्ण भूतकाल)

(iii) आप इतनी देर से नाप-तौल करते है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकार लिखिए: **[1]**

संतरी को जैसा कहा गया था, उसने वैसा ही किया।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए: **[1]**

(1) मैं आज रात का खाना नहीं खाऊँगा। (विधानार्थक वाक्य)

(2) थोड़ी बातें हुईं। (निषेधार्थक वाक्य)

Target Publications

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए: **[2]**

(i) अब मैं अपनी टाँगों का ओर देखता है।

(ii) मानू इतने ही बोल सका।

(iii) मँझली भाभी माँ का दुलारा बहू है।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए: **[26]**

(अ) (1) पत्रलेखन: **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

भार्गव/भाग्यश्री बारजगे, विजयनगर, सोलापुर से अपने मित्र/सहेली विट्ठल/विठाई वाघ, समता कॉलोनी, गेवराई को दसवीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में अभिनदन करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

विवेकानंद/विजया, कृष्णकुंज, सातारा से मा. व्यवस्थापक, अजय वस्तु भंडार, सादाशिव पेठ, पुणे – 4 को खेल सामग्री की माँग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों: **[4]**

बाबू हरिदास का ईंटों का पजावा शहर से मिला हुआ था। आसपास के देहातों से सैकड़ों स्त्री-पुरुष, लड़के नित्य आते और पजावे से ईंटें सिर पर उठाकर ऊपर कतारों से सजाते। एक आदमी पजावे के पास पैसे लिए बैठा रहता था। मजदूरों को ईंटों की संख्या के हिसाब से पैसे मिलते इसलिए बहुत-से मजदूर बूते के बाहर काम करते। वृद्धों और बालकों को ईंटों के बोझ से अकड़े हुए देखना बहुत करुणाजनक दृश्य था। सबसे करुण दशा एक छोटे लड़के की थी। जो सदैव अपनी अवस्था के लड़कों से दुगुनी ईंटें उठाता और सारे दिन अविश्रांत परिश्रम और धैर्य के साथ अपने काम में लगा रहता। और लड़के बनिए की दुकान से गुड़ लाकर खाते, कोई सड़क पर जानेवाले इक्कों और हवा गाड़ियों की बहार देखता और कोई व्यक्तिगत संग्राम में अपनी जिह्वा और बाहू के जौहर दिखाता, लेकिन इस गरीब लड़के को अपने काम से काम था। उसमें लड़कपन की न चंचलता थी, न शरारत, न खिलाड़ीपन, यहाँ तक कि उसके होठों पर कभी हँसी भी न आती थी। बाबू हरिदास को उसकी दशा पर दया आती थी। कभी-कभी पैसे वाले को इशारा करते कि उसे हिसाब से अधिक पैसे दे दो। कभी-कभी वे उसे कुछ खाने को दे देते।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन: **[5]**

आदर्श विद्यालय, अमरावती में मनाए गए 'वृक्ष लगाओ – वृक्ष बचाओ' अभिमान का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन:

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

भूखा कुत्ता – रोटी के लिए दर-दर भटकना – कूड़े में रोटी पाना – तालाब के पास बैठकर रोटी खाने का इरादा – तालाब में खुद की परछाई देखना – भौंकना – रोटी का तालाब में गिर जाना – पछतावा – सीख।

Target Publications

(2) **विज्ञापन लेखन:** **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

बगीचे की देखभाल करने के लिए माली

- अनुभव
- आयु-सीमा
- वेतन
- संपर्क व पता

(इ) **निबंध लेखन:** **[7]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **80 से 100** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) यदि मैं प्रधानाध्यापक होता...

(2) पुस्तक की आत्मकथा

(3) विविधता में एकता

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2022

समय: 3 घंटे | **कुल अंक: 80**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

दर्द के मारे एक तो मरीज को वैसे ही नींद नहीं आती, यदि थोड़ी-बहुत आ भी जाए तो मिलने वाले जगा देते हैं– खास कर वे लोग जो सिर्फ औपचारिकता निभाने आते हैं। इन्हें मरीज से हमदर्दी नहीं होती, ये सिर्फ सूरत दिखाने आते हैं। ऐसे में एक दिन मैंने तय किया कि आज कोई भी आए, मैं आँख नही खोलूँगा। चुपचाप पड़ा रहूँगा। ऑफिस के बड़े बाबू आए और मुझे सोया जानकर वापस जाने के बजाए वे सोचने लगे कि यदि मैंने उन्हें नहीं देखा तो कैसे पता चलेगा कि वे मिलने आए थे। अत: उन्होंने मुझे धीरे-धीरे हिलाना शुरू किया। फिर भी जब आँखें नहीं खुलीं तो उन्होंने मेरी टाँग के टूटे हिस्से को जोर से दबाया। मैंने दर्द के मारे कुछ चीखते हुए जब आँख खोली तो वे मुस्कराते हुए बोले– "कहिए, अब दर्द कैसा है?"

मुहल्लेवाले अपनी फुरसत से आते हैं। उस दिन जब सोनाबाई अपने चार बच्चों के साथ आई तो मुझे लगा कि आज फिर कोई दुर्घटना होगी। आते ही उन्होंने मेरी ओर इशारा करते हुए बच्चों से कहा– "ये देखो चाचा जी!" उनका अंदाज कुछ ऐसा था जैसे चिड़ियाघर दिखाते हुए बच्चों से कहा जाता है– "ये देखो बंदर।"

(1) लिखिए: **[2]**

औपचारिकता निभानेवालों की विशेषताएँ –

(i) ______________________

(ii) ______________________

(2) आकृति में लिखिए: **[2]**

लेखक ने तय किया

↙ ↘

________ ________

(3) (1) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(i) ______________________

(ii) ______________________

(2) लिखिए: **[1]**

वचन परिवर्तन | लिंग परिवर्तन

________ ← बच्चा → ________

(4) 'मरीज से मिलने जाते समय कौन-कौन-सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए', इस विषय पर अपने विचार लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

अम्मा बताती हैं– हमारी शादी में चढ़ावे के नाम पर सिर्फ पाँच ग्राम सोने के गहने आए थे, लेकिन जब हम विदा होकर रामनगर आए तो वहाँ उन्हें मुँह दिखाई में गहने मिले। सभी नाते-रिश्तेवालों ने कुछ-न-कुछ दिया था। जिन दिनों हम लोग बहादुरगंज के मकान में आए, उन्हीं दिनों तुम्हारे बाबू जी के चाचा जी को कोई घाटा लगा था। किसी तरह से बाकी का रुपया देने की जिम्मेदारी हमपर आ पड़ी-बात क्या थी, उसकी ठीक से जानकारी लेने की जरूरत हमने नहीं सोची और न ही इसके बारे में कभी कुछ पूछताछ की।

एक दिन तुम्हारे बाबू जी ने दुनिया की मुसीबतों और मनुष्य की मजबूरियों को समझाते हुए जब हमसे गहनों की माँग की तो क्षण भर के लिए हमें कुछ वैसा लगा और गहना देने में तनिक हिचकिचाहट महसूस हुई पर यह सोचा कि उनकी प्रसन्नता में हमारी खुशी है, हमने गहने दे दिए। केवल टीका, नथुनी, बिछिया रख लिए थे। वे हमारे सुहागवाले गहने थे। उस दिन तो उन्होंने कुछ नहीं कहा, पर दूसरे दिन वे अपनी पीड़ा न रोक सके। कहने लगे– "तुम जब मिरजापुर जाओगी और लोग गहनों के संबंध में पूछेंगे तो क्या कहोगी? "

(1) आकृति में लिखिए: **[1]**

(i) [ ] — सुहागवाले गहने — [ ]

(ii) गद्यांश में प्रयुक्त शहरों के नाम → [ ] [ ] **[1]**

(2) निम्नलिखित वाक्य उचित क्रम लगाकर लिखिए: **[2]**

(i) मुँह दिखाई में गहने मिले।

(ii) बाबू जी अपनी पीड़ा न रोक सके।

(iii) विदा होकर रामनगर आना।

(ii) पाँच ग्राम सोने के गहने आना।

(3) वचन परिवर्तन करके लिखिए: **[2]**

(i) रिश्ता –

(ii) दिन –

(iii) शादी –

(ii) मुसीबत –

(4) 'परिवारिक सुख-दुख में प्रत्येक का सहभाग' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

उन दिनों बापू की हिंदी अच्छी नहीं थी पर वे अपनी अट-पट वाणी में ही अपना सारा आशय कह डालते थे। वे शब्दों में बोलते कहाँ थे, उनका हृदय बोलता था। उनका व्यक्तित्व बोलता था, उनकी साधना बोलती थी और उनके बोल हृदय में घुल जाते थे, कान बेकार खड़े रहते थे। मैं बहुत दिन यही समझता रहा कि 'वक्त के साथ दगाबाजी' बापू की अट-पटी हिंदी का एक नमूना है। पता नहीं वे क्या कहना चाहते थे और हिंदी में उनको यही शब्द सुलभ हो पाए। पर जब सोचता हूँ बापू बिल्कुल यही कहना चाहते थे और जो वे कहना चाहते थे उसको दूसरे शब्दों में नहीं कहा जा सकता। एक शब्द एक मात्रा से कम नहीं। बापू बनिया थे, अपने बनियेपन पर उन्हें गर्व था। शायद शब्दों के मामले में वे सबसे अधिक बनिये थे। न जरूरत से ज्यादा न जरूरत से कम। और हर शब्द सच्चा, खरा यथार्थ भरा।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

बापू की अट-पट वाणी की विशेषताएँ

(2) 'वाणी का महत्त्व' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार व्यक्त कीजिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

घन घमंड नभ गरजत धोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा।।
दामिनि दमक रहहिं घन माहीं। खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं।।
बरषहिं जलद भूमि निअराएँ। जथा नवहिं बुध विद्या पाएँ।।
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे। खल के बचन संत सह जैसे।।
छुद्र नदी भरि चली तोराई। जस थोरेहुँ धन खल इतराई।।
भूमि परत भा ढाबर पानी। जनु जीवहिं माया लपटानी।।
समिटि-समिटि जल भरहिं तलावा। जिमि सदगुन सज्जन पहिं आवा।।
सरिता जल जलनिधि महुँ जाई। होई अचल जिमि जिव हरि पाई।।

(1) लिखिए: **[2]**

पद्यांश में आए जल स्रोत –

(i) ____________

(ii) ____________

(iii) ____________

(iv) ____________

(2) निम्न शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त समानार्थी शब्द लिखिए: **[2]**

(i) गगन → ____

(ii) पर्वत → ____

(iii) बिजली → ____

(iv) दुष्ट → ____

(3) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) **निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** **[6]**

चरित थे पूत, भुजा में शक्ति, नम्रता रही सदा संपन्न
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न।
हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव
वचन में सत्य, हृदय में तेज, प्रतिज्ञा में रहती थी टेव।
वही है रक्त, वही है देश, वही साहस है, वैसा ज्ञान
वही है शांति, वही है शक्ति, वही हम दिव्य आर्य संतान।
जिएँ तो सदा इसी के लिए, यही अभिमान रहे यह हर्ष
निछावर कर दें हम सर्वस्व, हमारा प्यारा भारतवर्ष।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाकर लिखिए: **[2]**

हृदय, भुजा, अतिथि, रत्न, संचय, दान, देव, तेज, शक्ति

	अ	आ
(i)	______	______
(ii)	______	______
(iii)	______	______
(iv)	______	______

(2) (i) उपसर्ग और प्रत्यय लगाकर नये शब्द लिखिए: **[1]**

उपसर्गयुक्त		प्रत्यययुक्त
______	नम्र	______

(ii) निम्न शब्दों के लिए पद्यांश में आए विलोमार्थी शब्द लिखिए: **[1]**

(i) अज्ञान × ____________

(ii) दानव × ____________

(3) पद्यांश की प्रारंभिक चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** **[4]**

रात का समय था। बुद्धिराम के द्वार पर शहनाई बज रही थी और गाँव के बच्चों का झुंड विस्मयपूर्ण नेत्रों से गाने का रसास्वादन कर रहा था। चारपाइयों पर मेहमान विश्राम कर रहे थे। दो-एक अंग्रेजी पढ़े हुए नवयुवक इन व्यवहारों से उदासीन थे। वे इस गँवार मंडली में बोलना अथवा सम्मिलित होना अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल समझते थे।

आज बुद्धिराम के बड़े लड़के मुखराम का तिलक आया था। यह उसी का उत्सव था। घर के भीतर स्त्रियाँ गा रही थीं और रूपा मेहमानों के लिए भोजन के प्रबंध में व्यस्त थी। भट्ठियों पर कड़ाह चढ़ रहे थे। एक में पूड़ियाँ-कचौड़ियाँ निकल रही थीं, दूसरे में अन्य पकवान बन रहे थे। एक बड़े हंडे में मसालेदार तरकारी पक रही थी। घी और मसाले की क्षुधावर्धक सुगंध चारों ओर फैली हुई थी।

(1) एक-दो शब्दों में उत्तर लिखिए: **[2]**

(i) इसका तिलक आया था –

(ii) द्वार पर बज रही थी –

(iii) बड़े हंडे में पक रही थी –

(iv) चारपाइयों पर विश्राम कर रहे थे –

(2) 'सांस्कृतिक परंपरा के संवर्धन में हमारा योगदान' इस विषय पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

घना अँधेरा
चमकता प्रकाश
और अधिक

करते जाओ
पाने की मत सोचो
जीवन सारा।

जीवन नैया
मँझधार में डोले
सँभाले कौन

रंग-बिरंगे
रंग-संग लेकर
आया फागुन।

(1) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों: **[2]**

(i) जीवन नैया –

(ii) फागुन –

(2) 'जीवन एक संघर्ष है' इस पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) निम्नलिखित वाक्य के अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए: **[1]**
आज फिर <u>उसे</u> साक्षात्कार के लिए जाना है।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

(i) क्योंकि

(ii) पास

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

शब्द	संधि-विच्छेद	संधिभेद
________	परा + अर्थ	________
	अथवा	
सदाचार	________	________

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए: **[1]**

(i) फाटक से पहले ही गाड़ी रोक दी।

(ii) नौकरी के लिए आवेदन कर चुका।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
________	________

(5) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए: **[1]**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) देखना	________	________
(ii) भूलना	________	________

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

मुहावरा	अर्थ	वाक्य
(i) दाद देना	________	________
(ii) मुँह लाल होना	________	________

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहवरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए:

(काँप उठना, बोलबाला होना)

सार्वजनिक अस्पताल का खयाल आते ही मैं भयभीत हो गया।

(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: **[1]**

(i) टॉल्सस्टॉय और चेखव की रचनाएँ भी मुझे प्रिय हैं।

(ii) रूपा उस समय कार्य भार से उद्विग्न हे रही थी।

कारक चिह्न	कारक भेद
________	________

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**

ओह कंबख्त ने कितनी बेदर्दी से पीटा है।

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना अनुसार काल परिवर्तन कीजिए: **[2]**

(i) मेरी सबसे छोटी बहन पहली बार ससुराल जाएगी। (अपूर्ण भूतकाल)

(ii) प्राण को मन से अलग करना पड़ा। (सामान्य भविष्यकाल)

(iii) इसने मुझे बहुत प्रभावित किया। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकार लिखिए: **[1]**

बाबू जी का एक तरीका था, जो अपने आप आकर्षित करता था।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए: **[1]**

1. लिखने से पहले तो मैंने पढ़ना शुरू किया था। (निषेधार्थक वाक्य)
2. क्या लोग पहाड़ों पर घूमने का शौक रखते हैं? (विधानार्थक वाक्य)

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए: **[2]**

(i) पिताजी ने आंदोलनों से भाग लेने से रोकी।

(ii) यह पसिना किसलिए बहायी है?

(iii) मैं ड्राइवर से बुला लाए।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

4. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए: **[26]**

(अ) (1) पत्रलेखन: **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

उमा/उमेश, 205, नेहरू मार्ग, पुणे से 'नंदनवन कॉलोनी' सातारा में रहनेवाले छोटे भाई मंगेश को राज्यस्तरीय निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने के उपलक्ष्य में बधाई देते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

शुभम/शुभांगी, 45, गणेश नगर, जलगाँव से व्यवस्थापक, मीरा पुस्तक भंडार, नेताजी मार्ग, नासिक को हिंदी पुस्तकों की माँग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों: **[4]**

सर सी. वी. वेंकटरमन भारत के उन महान वैज्ञानिकों में से हैं, जिन्हें उनकी 'रमन प्रभाव' की खोज के लिए जाना जाता है। भारत रत्न सी. वी. वेंकटरमन को 1930 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।

उनका जन्म 7 नंवबर, 1888 को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में हुआ। वे चंद्रशेखर अय्यर तथा पार्वती अमाल की दूसरी संतान थे। रमन के पिता गणित के प्रोफेसर थे। उनके पिता विशाखापट्टनम में ए. वी. एन. कॉलेज में नियुक्त हुए तो पूरा परिवार वहीं चला गया।

अल्पायु से ही रमन की शैक्षिक प्रतिभा सामने आने लगी। ग्यारह वर्षीय रमन ने ए. वी. एन. कॉलेज में दाखिला लिया। इसके दो वर्ष बाद ही वे मद्रास के प्रतिष्ठित प्रेसीडेंसी कॉलेज में पढ़ने गए। उन्होंने भौतिकी एवं अंग्रेजी में ऑनर्स के साथ बी. ए. की डिग्री हासिल की। उस समय एकेडमिक पढ़ाई में अच्छे छात्र उच्च शिक्षा पाने के लिए विदेश जाते थे। किंतु वे गिरती सेहत की वजह से नहीं जा पाए। अत: उसी कॉलेज में पढ़ते रहे और उन्होंने एम. ए. ऑनर्स की डिग्री ली।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन: **[5]**

नेताजी विद्यालय, औरंगाबाद में मनाए गए 'स्वच्छता अभियान' का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।
(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

(2) कहानी लेखन:

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

मोहन और माता-पिता – सुखी परिवार – मोहन हमेशा मोबाइल पर – कान में इयरफोन – माता-पिता का मना करना – मोहन का ध्यान न देना – सड़क पार करना – कान में इयरफोन – दुर्घटना – सीख।

(2) विज्ञापन लेखन: **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

विषाणुओं से रक्षा		भारत में निर्मित
	निर्मल सैनिटाइजर	
विभिन्न रंग और गंध		संपर्क व पता

(इ) निबंध लेखन: **[7]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मेरा प्रिय त्योहार

(2) नदी की आत्मकथा

(3) यदि मैं अध्यापक होता.....

बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च २०२०
हिंदी लोकभारती

समय: ३ घंटे | **कुल अंक: ८०**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य: 20 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

नागर जी : लिखने से पहले तो मैंने पढ़ना शुरू किया था। आरंभ में कवियों को ही अधिक पढ़ता था। सनेही जी, अयोध्यासिंह उपाध्याय की कविताएँ ज्यादा पढ़ीं। छापे का अक्षर मेरा पहला मित्र था। घर में दो पत्रिकाएँ मँगाते थे मेरे पितामह। एक 'सरस्वती' और दूसरी 'गृहलक्ष्मी'। उस समय हमारे सामने प्रेमचंद का साहित्य था, कौशिक का था। आरंभ में बंकिम के उपन्यास पढ़े। शरतचंद्र को बाद में। प्रभातकुमार मुखोपाध्याय का कहानी संग्रह 'देशी और विलायती' १९३० के आसपास पढ़ा। उपन्यासों में बंकिम के उपन्यास 1930 में ही पढ़ डाले। 'आनंदमठ', 'देवी चौधरानी' और एक राजस्थानी थीम पर लिखा हुआ उपन्यास, उसी समय पढ़ा था।

तिवारी जी : क्या यही लेखक आपके लेखन के आदर्श रहे?

नागर जी : नहीं, कोई आदर्श नहीं। केवल आनंद था पढ़ने का। सबसे पहले कविता फूटी साइमन कमीशन के बहिष्कार के समय 1928-1929 में। लाठीचार्ज हुआ था। इस अनुभव से ही पहली कविता फूटी- 'कब लौं कहौं लाठी खाय!' इसे ही लेखन का आरंभ मानिए।

(1) नाम लिखिए: (2)

गद्यांश में उल्लेखित

पत्रिकाएँ	उपन्यास
(1)	(1) ....
(2)	(2) ....

(2) लिखिए: (2)

(i) लेखक का पहला मित्र –

....

(ii) लेखक की पहली कविता –

....

(3) गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: (2)

(i) प्रत्यययुक्त शब्द:

(1) .... (2) ....

(ii) ऐसे दो शब्द जिनका वचन परिवर्तन नहीं होता:

(1) ....

(2) ....

(4) ‘पढ़ोगे तो बढ़ोगे’ विषय पर 25 ते 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

कुछ देर बाद हमारी टैक्सी मडगाँव से पाँच किमी दूर दक्षिण में स्थित कस्बा बेनालियम के एक रिसॉर्ट में आकर रुक गई। यह रिसॉर्ट हमने पहले से बुक कर लिया था। इसलिए औपचारिक खानापूर्ति कर हम आराम करने के इरादे से अपने-अपने स्यूट में चले गए। इससे पहले कि हम कमरों से बाहर निकलें, मैं आपको गोवा की कुछ खास बातें बता दूँ। दरअसल, गोवा राज्य दो भागों में बँटा हुआ है। दक्षिण गोवा जिला तथा उत्तर गोवा जिला। इसकी राजधानी पणजी मांडवी नदी के किनारे स्थित है। यह नदी काफी बड़ी है तथा वर्ष भर पानी से भरी रहती है। फिर भी समुद्री इलाका होने के कारण यहाँ मौसम में प्राय: उमस तथा हवा में नमी बनी रहती है। शरीर चिपचिपाता रहता है लेकिन मुंबई जितना नहीं, क्योंकि यहाँ का क्षेत्र हरीतिमा से भरपूर है फिर भी धूप तो तीखी ही होती है।

यों तो गोवा अपने खूबसूरत सफेद रेतीले तटों, महँगे होटलों तथा खास जीवनशैली के लिए जाना जाता है लेकिन इन सबके बावजूद यह अपने में एक सांस्कृतिक विरासत भी समेटे हुए है।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: (2)

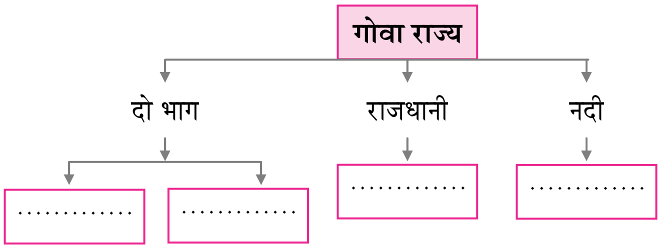

(2) उत्तर लिखिए: (2)

गद्यांश में उल्लेखित नदी की विशेषताएँ

(1) ....

(2) ....

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए: (1)

(1) अनौपचारिक – ....

(2) छाँव – ....

(ii) गद्यांश से अंग्रजी शब्द ढूँढ़कर लिखिए: (1)

(1) ....

(2) ....

(4) ‘पर्यटन ज्ञान वृद्धि का साधन’ विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

जापानी और चीनी वैज्ञानिकों ने भूकंप आने के कुछ दिन पूर्व जीव-जन्तुओं की गतिविधियों के आधार पर चेतावनी देने का प्रयत्न किया है। वास्तव में 4 फरवरी, 1975 को चीन के हाइचेंग क्षेत्र में आए भूकंप का पूर्वानुमान चीनी वैज्ञानिकों ने भूकंप आने के कुछ दिन पूर्व से मेंढकों व साँपों के अपने बिलों से एकाएक बाहर निकल आने, मुर्गियों की बेचैनी और अपने दरबों से दूर भागने तथा कुत्तों के भौंकने और लगातार इधर-उधर भागने के आधार पर, काफी सफलतापूर्वक किया; परंतु वही वैज्ञानिक सन् 1976 के विध्वंसक भूकंप की पूर्वसूचना नहीं दे सके। महाराष्ट्र के भूकंप के पूर्व भी वहाँ के निवासियों ने ऐसा दावा किया है कि पालतू पशु विचित्र व्यवहार कर रहे थे। जीव-जन्तुओं के विचित्र व्यवहार के अतिरिक्त, भूकंप पूर्व मिलने वाले कुछ मुख्य संकेत, जिनपर वैज्ञानिक बिरादरी एकमत हैं।

(1) उत्तर लिखिए: (2)

चीनी वैज्ञानिकों द्वारा भूकंप आने के पूर्वानुमान लगाने के आधार –

(i) ……………………………………

(ii) ……………………………………

(2) 'भूकंप से होने वाली हानि से बचने के उपाय' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

विभाग 2 – पद्य: 12 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

मैं लरजकर बोला,
मुद्राएँ आप मेरे मुख पर देख लीजिए,
वे खड़े होकर कुछ सोचने लगे
फिर शयनकक्ष में घुस गए
और फटे हुए तकिये की रूई नोचने लगे
उन्होंने टूटी अलमारी को खोला
रसोई की खाली पीपियों को टटोला
बच्चों की गुल्लक तक देख डाली
पर सब में मिला एक ही तत्त्व खाली …….
कनस्तरों को, मटकों को ढूँढ़ा सब में मिला शून्य-ब्रह्मांड

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: (2)

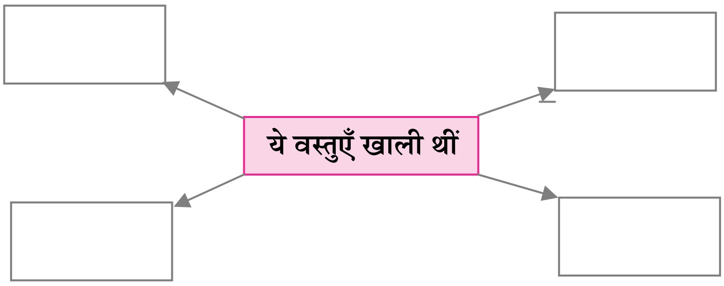

(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: (1)

(i) ऐसे शब्द जिनका अर्थ निम्न शब्द हो:

(1) टीन का पीपा – ……………………..

(2) कमरा – ……………………..

(ii) वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: (1)

उन्होंने टूटी अलमारी को खोला।

....

(3) अंतिम **चार** पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। (2)

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश दी गई पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

एक जुगनू ने कहा मैं भी तुम्हारे साथ हूँ,
वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो।

एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
गर तुम्हें बनना है मोती सीप के अंदर दिखो।

डर जाए फूल बनने से कोई नाजुक कली,
तुम ना खिलते फूल पर तितली के टूटे पर दिखो।

कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखे इस भीड़ में,
मैं जिसे देखूँ उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो।

1. पद्यांश के आधार पर संबंध जोड़कर उचित वाक्य तैयार कीजिए: (2)

(i) जुगनू धुंध

(ii) रोशनी तितली

मैं

1. ....

2. ....

2. i. निम्नलिखित के लिए पद्यांश से शब्द ढूँढ़कर लिखिए: (1)

(1) लोगों का समूह – ....

(2) सीप में बनने वाला रत्न – ....

ii. पद्यांश में आए 'पर' शब्द के अलग-अलग अर्थ लिखिए: (1)

(1) .... (2) ....

3. अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए: (2)

विभाग 3 – पूरक पठन: 8 अंक

प्र.3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

जिस गली में आजकल रहता हूँ– वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता। उस गली में पेड़ भी नहीं हैं, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है। मकान ही मकान हैं। इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान लदे हैं। लंद-फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है। चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठीं या आसमान में उड़तीं हुई नहीं। बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं।

1. लिखिए: (2)

गद्यांश में उल्लेखित चिड़ियों की विशेषताएँ –

(i) ....

(ii) ....

2. 'पक्षियों की घटती संख्या' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।

यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!

इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं...

1. सूचनानुसार लिखिए: **(2)**

1. ऐसी पंक्ति जिसमें पौराणिक संदर्भ है –
   ....

2. ऐसी पंक्ति जिसमें ऐतिहासिक संदर्भ हो –
   ....

2. 'इतिहास हमें प्रेरणा देता है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण): 14 अंक

प्र.4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए: **(1)**

श्रमजीवियों की मजदूरी एवं आमदनी कम है।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

i. वाह!

ii. के साथ

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **(1)**

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि प्रकार
....	अंत: + चेतना	....
	अथवा	
सज्जन	.... + ...	....

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए: **(1)**

i. टैक्सी एक पतली-सी सड़क पर दौड़ पड़ी।

ii. यहाँ सुबह-सुबह बड़ी मात्रा में मछलियाँ पकड़ी गईं।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
....	....
....	....

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए: **(1)**

क्र.	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
i.	फैलना	....	....
ii.	लिखना	....	....

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

i. शेखी बघारना – ii. निछावर करना –

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए:

(बोलबाला होना, दुम हिलाना)

सिरचन को बुलाओ, <u>चापलूसी करता</u> हुआ हाजिर हो जाएगा।

(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए: **(1)**

i. करामत अली ने हौका भरते हुए कहा।

ii. पर्यटन में बहुत ही आनंद मिला।

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

मैंने कराहते हुए पूछा "मैं कहाँ हूँ"

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए: **(2)**

i. सातों तारे मंद पड़ गए। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(ii) रूपा दौड़ते-दौड़ते व्याकुल होती है। (अपूर्ण भूतकाल)

(iii) हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

(10) (i) **निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:** **(1)**

काकी बुद्‌धिहीन होते हुए भी इतना जानती थी कि मैं वह काम कर रही हूँ।

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए:** **(1)**

(1) तुम्हें अपना ख्याल रखना चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य)

(2) मानू इतना ही बोल सकी। (प्रश्नार्थक वाक्य)

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्‌ध करके फिर से लिखिए: **(2)**

(i) इस बार मेरी सबसे छोटि बहन पहली बार ससूराल जा रही थी।

(ii) आपने भ्रमन तो काफी की हैं।

(iii) व्यवस्थापकों और पुँजी लगाने वालों को हजारो-लाखो का मिलना गलत नहीं माना जाता।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन): 26 अंक

सूचना:– आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए:

(अ) (1) पत्रलेखन: **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

राधेय/राधा चौगुले, रामेश्वरनगर, वर्धा से दोहा प्रतियोगिता में प्रथम क्रमांक प्राप्त करने के कारण अभिनंदन करते हुए अपने मित्र/सहेली किशोर/किशोरी पाटील, स्टेशन रोड, जालना को पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

अशोक/आशा मगदुम, लक्ष्मीनगर, नागपुर से व्यवस्थापक, कौस्तुभ पुस्तक भंडार, सदर बाजार, नागपुर को प्राप्त पुस्तकों संबंधी शिकायत करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(2) **निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों:** (4)

स्वाधीन भारत में अभी तक अंग्रेजी हवाओं में कुछ लोग यह कहते मिलेंगे – जब तक विज्ञान और तकनीकी ग्रंथ हिंदी में न हो तब तक कैसे हिंदी में शिक्षा दी जाए। जब कि स्वामी श्रद्धानंद स्वाधीनता से भी चालीस साल पहले गुरुकुल काँगड़ी में हिंदी के माध्यम से विज्ञान जैसे गहन विषयों की शिक्षा दे रहे थे। ग्रंथ भी हिंदी में थे और पढ़ाने वाले भी हिंदी के थे। जहाँ चाह होती है वहीं राह निकलती है। एक लंबे अरसे तक अंग्रेज गुरुकुल काँगड़ी को भी राष्ट्रीय आंदोलन का अभिन्न अंग मानते रहे। इसमें कोई संदेह भी नहीं कि गुरुकुल के स्नातकों में स्वाधीनता की अजीब तड़प थी। स्वामी श्रद्धानंद जैसा राष्ट्रीय नेता जिस गुरुकुल का संस्थापक हो और हिंदी शिक्षा का माध्यम हो; वहीं राष्ट्रीयता नहीं पनपेगी तो कहाँ पनपेगी। स्वामी जी से मिलने देश के प्रमुख राष्ट्रीय नेता भी गुरुकुल आते रहते थे।

(आ) (1) **वृत्तांत-लेखन:** (5)

विवेकानंद विद्यालय, सोलापुर में संपन्न 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान का रोचक वृत्तांत लेखन **60** से **80** शब्दों में लिखिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी-लेखन: (5)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग **70** से **80** शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक गाँव – पीने के पानी की समस्या – दूर-दूर से पानी लाना – सभी लोग परेशान – सभा का आयोजन – मिलकर श्रमदान का निर्णय – दूसरे दिन से – केवल एक आदमी – काम में जुटना – धीरे-धीरे एक-एक का आना – सारा गाँव श्रमदान में – गाँव के तालाब की सफाई – कीचड़, प्लास्टिक निकालना – बरसात में तालाब का स्वच्छ पानी से भरना।

(2) **विज्ञापन-लेखन:** (5)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर **50** से **60** शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

स्कूल बस के लिए ड्राइवर चाहिए

शैक्षिक अर्हता	अनुभव	व्यावसायिक अर्हता	वेतन	संपर्क: महात्मा हिंदी विद्यालय, पुणे। मो. नं. 2332422409

(इ) **निबंध-लेखन:** (7)

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **80** से **100** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मेरा भारत देश

(2) पर्यावरण संतुलन

(3) पुस्तक की आत्मकथा

बोर्ड कृतिपत्रिका: नवंबर २०२०

हिंदी लोकभारती

समय: ३ घंटे **कुल अंक: ८०**

सूचनाएँ:

(1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य: 20 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

दोपहर बाद जब करामत अली ड्यूटी से लौटा और नहा-धोकर कुछ नाश्ते के लिए बैठा तो रमजानी उससे बोली– "मेरी मानो तो इसे बेच दो।"

"फिर बेचने की बात करती हो.......? कौन खरीदेगा इस बुढ़िया को।"

"रहमान कुछ कह तो रहा था, उसे कुछ लोग खरीद लेंगे। उसने किसी से कहा भी है। शाम को वह तुमसे मिलने भी आएगा।"

करामत अली सुनकर खामोश रह गया। उसे लग रहा था, सब कुछ उसकी इच्छा के विरुद्ध जा रहा है, शायद जिस पर उसका कोई वश नहीं था।

करामत अली यह अनुभव करते हुए कि लक्ष्मी की चिंता अब किसी को नहीं है, खामोश रहा। उठा और घर में जो सूखा चारा पड़ा था, उसके सामने डाल दिया।

लक्ष्मी ने चारे को सूँघा और फिर उसकी तरफ निराशापूर्ण आँखों से देखने लगी। जैसे कहना चाहती हो, मालिक यह क्या? आज क्या मेरे फाँकने को यह सूखा चारा ही है। दर्रा-खली कुछ नहीं।

करामत अली उसके पास से उठकर मुँह-हाथ धोने के लिए गली के नुक्कड़ पर नल की ओर चला गया।

1. संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

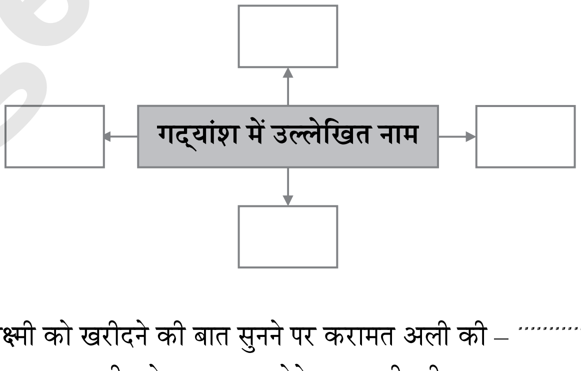

2. प्रतिक्रियाएँ लिखिए: **[2]**

i. लोगों द्वारा लक्ष्मी को खरीदने की बात सुनने पर करामत अली की – ....

ii. करामत अली द्वारा लक्ष्मी को सूखा चारा देने पर लक्ष्मी की – ....

3. निम्नलिखित शब्द के दो अलग-अलग अर्थ लिखकर उनका अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[2]**

	शब्द	अर्थ	वाक्य
(i)	चारा	....	....
(ii)	चारा	....	....

4. 'जानवर भी संवेदनशील होते हैं' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

Target Publications

प्र.1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा। सभी धर्म आश्रम को मान्य होंगे, अत: सामान्य सदाचार, भक्ति तथा सेवा का ही वातावरण रहेगा। आश्रम में स्वावलंबन हो सके उतना ही रखना चाहिए। सादगी का आग्रह होना चाहिए। आरम्भ में पढ़ाई या उद्योग की व्यवस्था भले न हो सके लेकिन आगे चलकर उपयोगी उद्योग सिखाए जाएँ। पढ़ाई भी आसान हो। आश्रम शिक्षासंस्था नहीं होगी लेकिन कलह और कुढ़न से मुक्त स्वतंत्र वातावरण जहाँ हो ऐसा मानवतापूर्ण आश्रयस्थान होगा, जहाँ परेशान महिलाएँ बेखटके अपने खर्च से रह सकें और अपने जीवन का सदुपयोग पवित्र सेवा में कर सकें। ऐसा आसान आदर्श रखा हो और व्यवस्था पर समिति का झंझट न हो तो बहन सुंदर तरीके से चला सके ऐसा एक बड़ा काम होगा। उनके ऊपर ऐसा बोझ नहीं आएगा जिससे कि उन्हें परेशानी हो।

संस्था चलाने का भार तो आने वाली बहनें ही उठा सकेंगी क्योंकि उनमें कई तो कुशल होंगी। बहन उनको संगीत की, भक्ति की तथा प्रेमयुक्त सलाह की खुराक दें।

1. कारण लिखिए: **[2]**

i. आश्रम में भक्ति तथा सेवा का वातावरण रहेगा...........

ii. संस्था चलाने का भार आने वाली बहनें उठा सकेंगी...........

2. उत्तर लिखिए: **[2]**

परेशान महिलाओं को आश्रम से मिलने वाली सुविधाएँ

i. ....

ii. ....

3. निम्नलिखित शब्दों का तालिका में दी गई सूचना के अनुसार वर्गीकरण कीजिए: **[2]**

सादगी, पढ़ाई, परेशानी, उपयोगी

तालिका

कृदंत शब्द	तद्धित शब्द
....	....

4. वर्तमान समाज में आश्रमों की बढ़ती हुई संख्या के बारे में 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

प्र.1. (इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

सन् 1897 में भारत में महामारी का प्रकोप हुआ। स्वामी विवेकानंद ने देश सेवा-व्रती संन्यासियों की एक छोटी-सी मंडली बनाई। यह मंडली तन-मन से दीन-दुखियों की सेवा करने लगी। ढाका, कोलकाता, चेन्नई आदि में सेवाश्रम खोले गए। वेदांत के प्रचार के लिए जगह-जगह विद्यालय स्थापित किए गए। कई अनाथालय भी खोल दिए गए।

ये सभी कार्य स्वामी जी के निरीक्षण में हो रहे थे। उनका स्वास्थ्य काफी बिगड़ गया था, फिर भी वह स्वयं घर-घर घूमकर पीड़ितों को आश्वासन तथा आवश्यक सहायता देते रहते थे। जिन मरीजों को देखर डॉक्टर भी भाग जाते थे, उनकी सहायता करने में स्वामी जी और उनके अनुयायी कभी पीछे नहीं हटे।

1. तालिका पूर्ण कीजिए: **[2]**

गद्यांश में वर्णित स्वामी विवेकानंद के कार्य
....
....
....
....

2. 'सेवाभाव का महत्त्व' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

Target Publications

विभाग 2 – पद्य: 12 अंक

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

हरि बिन कूण गती मेरी।।
तुम मेरे प्रतिपाल कहिये मैं रावरी चेरी।।

आदि-अंत निज नाँव तेरो हीमायें फेरी।
बेर-बेर पुकार कहूँ प्रभु आरति है तेरी।।
यौ संसार बिकार सागर बीच में घेरी।
नाव फाटी प्रभु पाल बाँधो बूड़त है बेरी।।
बिरहणि पिवकी बाट जौवै राखल्यो नेरी।
दासी मीरा राम रटत है मैं सरण हूँ तेरी।।

1. निम्नलिखित विधान सही हैं अथवा गलत हैं, लिखिए: **[2]**

i. मीराबाई के प्रभु उसके पालनहार हैं। – ☐

ii. मीराबाई अपने आप को प्रभु की दासी नहीं कहती। – ☐

iii. संसार रूपी सागर विकारों से भरा है। – ☐

iv. संत मीराबाई अपने प्रभु की राह देख रही है। – ☐

2. पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **[2]**

विलोम शब्द जोड़ी	समानार्थी शब्द जोड़ी
.... ×..........	.........=..........

3. उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

प्र.2.(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

चाहे सभी सुमन बिक जाएँ चाहे ये उपवन बिक जाएँ
चाहे सौ फागुन बिक जाएँ पर मैं गंध नहीं बेचूँगा
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।
जिस डाली ने गोद खिलाया जिस कोंपल ने दी अरुणाई
लछमन जैसी चौकी देकर जिन काँटों ने जान बचाई
इनको पहिला हक आता है चाहे मुझको नोचें-तोड़ें
चाहे जिस मालिन से मेरी पँखुरियों के रिश्ते जोड़ें
ओ मुझ पर मँड़राने वालो मेरा मोल लगाने वालों
जो मेरा संस्कार बन गई वो सौगंध नहीं बेचूँगा।
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।

1. एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए: **[2]**

i. अपनी गंध न बेचने वाला –

ii. फूल को अरुणाई देने वाली –

Target Publications

iii. फूल को गोद में खिलाने वाली –

iv. चौकी देकर फूल की जान बचाने वाले –

2. i. निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए: **[1]**

शब्द	लिंग
सौगंध	....
फागुन	....

ii. निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए: **[1]**

पंखुरियाँ	....
	रिश्ता

3. उपर्युक्त पद्यांश की क्रमश: किन्हीं चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – पूरक पठन: 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

सिरचन जाति का कारीगर है। मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है। एक-एक मोथी और पटेर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुच्ची बनाता। फिर कुच्चियों को रँगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त। .... काम करते समय उसकी तन्मयता में जरा भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुफकार उठता- “फिर किसी दूसरे से करवा लीजिए काम! सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं।”

बिना मजदूरी के पेट भर भात पर काम करने वाला कारीगर। दूध में कोई मिठाई न मिले तो कोई बात नहीं किंतु बात में जरा भी झाला वह नहीं बरदाश्त कर सकता।

सिरचन को लोग चटोर भी समझते हैं। तली बघारी हुई तरकारी, दही की कढ़ी, मलाईवाला दूध, इन सबका प्रबंध पहले कर लो, तब सिरचन को बुलाओ।

1. उत्तर लिखिए: **[2]**

i. **सिरचन को आकर्षित करने वाली चीजें**

→ [ ] [ ]

ii. **सिरचन के स्वयं के बारे में विचार**

→ [ ] [ ]

2. ‘कार्य में तन्मयता लाती है सफलता’ विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

3. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!

Target Publications

इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं...
बातों का जनाब, शऊर नहीं, शेखी न बघारें, हाँ चुप रहिए।
हम उस धरती की लड़की हैं, जिस धरती की बातें क्या कहिए।

1. उपर्युक्त पद्यांश से वीरत्व दर्शाने वाली दो पंक्तियाँ ढूँढ़कर लिखिए: **[2]**

....
....

2. 'शेखी बघारना बुरी आदत है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण): 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[14]**

(1) निम्नलिखित वाक्य में से अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए: **[1]**

उन्होंने टूटी अलमारी खोली।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

i. प्राय: ii. अरे!

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
निस्संदेह	+	....
	अथवा	....
	भानु + उदय	

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए: **[1]**

i. मैं गोवा को पूरी तरह नहीं समझ पाया।

ii. काकी घटनास्थल पर आ पहुँची।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
....	....
....	....

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए: **[1]**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
फैलना	....	....
भूलना	....	....

(6) **निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:** **[1]**
मुहावरा
i. ठेस लगना – ii. कलेजे में हूक उठना –

अर्थ	वाक्य
....	....

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरो में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए:
(बोलबाला होना, प्रशंसा करना)
आजकल मोबाइल का प्रभाव है।

(7) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए:** **[1]**
i. हमारे शहर में एक कवि है।
ii. उन्हें पुस्तक ले आने के लिए कहा।

कारक चिह्न	कारक भेद
....	....

(8) **निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए:** **[1]**
मैंने कहराते हुए पूछा, मैं कहाँ हूँ

(9) **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:** **[2]**
i. हमारे शहर में तो दो रुपये में मिलता है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)
ii. मुझे जीवन को सहज और खुले ढंग से जीना है। (पूर्ण भूतकाल)
iii. मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

10. **i.** **निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:** **[1]**
हमारी सामाजिक विचारधारा में एक बड़ा भारी दोष है।

ii. **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए:** **[1]**
(1) कितनी निर्दयी हूँ मैं। (विस्मयार्थक वाक्य)
(2) सैकड़ों मनुष्यों ने भोजन किया। (प्रश्नार्थक वाक्य)

11. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों की शुद्‌ध करके वाक्य फिर से लिखिए:** **[2]**
i. रंगीन फूल की माला बहोत सुंदर लग रही थी।
ii. लड़के के तरफ मुखातिब होकर रामस्वरूप ने कोई कहना चाहा।
iii. कन्हैयालाल मिश्र जी बिड़ला के पुस्तक पड़ने लगे।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन): 26 अंक

सूचना:– आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

5. **सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए:** **26**

(1) **पत्रलेखन:** **[5]**
निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:
राज/राजश्री अगरवाल, 20, वरद सोसायटी, सायन, पूर्व, मुंबई से अपने दादा जी रमेश अगरवाल, राधा निवास, आदर्श कॉलोनी, संगमनेर को 75 वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

Target Publications

अथवा

मयुरा/मयुर त्रिवेदी, 12, मॉडेल कॉलोनी, शास्त्री नगर, नारायण गाँव से व्यवस्थापक विजय पुस्तकालय, म. गांधी पंथ, राजगुरु नगर को सूचीनुसार पुस्तकें प्राप्त न होने की शिकायत करते हुए पत्र लिखती/लिखता है।

(2) गद्य आकलन-प्रश्ननिर्मिति:

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों: **[4]**

हर्ता मूलर को २००९ में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला। उनका जन्म रोमानिया में हुआ। बचपन में उन्हें गाय चराने भेज दिया जाता, जहाँ उनके पास कोई खास काम नहीं होता। वह जिन फूलों को इकट्ठा करती, उन्हें कोई न कोई नाम देती, आकाश में धीमे-धीमे उड़ते बादलों की आकृति को किसी व्यक्ति का नाम देती और खुश होती। उन दिनों वह सोच भी नहीं सकती थी कि एक दिन उसे साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिलेगा। वह ज्यादा से ज्यादा अपनी चाची की तरह एक महिला दर्जी बनने के बारे में सोच सकती थी। उन दिनों वहाँ निकोलाई चाउसेस्की का तानाशाही शासन था और उसके परिवार पर कड़ी निगरानी रखी जाती थी। शासन का एक भय लोगों में बना रहता था।

(आ) **[5]**

(1) वृत्तांत लेखन:

प्रगति विद्यालय, वर्धा में मनाए गए 'बालिका दिवस' समारोह का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन:

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक गाँव - अस्वच्छता के कारण लोगों का बीमार होना - गाँव के युवा दल द्वारा कूड़ा-कचरा एकत्रित करना - नई योजना बनाना - खाद तैयार करके लोगों में बाँटना - गाँव का रूप बदलना - गाँव को पुरस्कार प्राप्त होना।

(2) विज्ञापन लेखन: **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

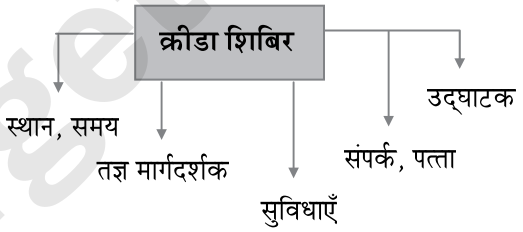

(इ) निबंध लेखन: **[7]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मैं पृथ्वी बोल रही हूँ.......

(2) काश! बचपन लौट आता.......

(3) अनुशासन का महत्त्व.......

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका: जुलाई २०१९

हिंदी लोकभारती

Time : 3 Hours **Max. Marks : 100**

सूचनाएँ:

(1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 24 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

जीवन निर्वाह या धन कमाने के लिए अनेक व्यवसाय चल रहे हैं। इनके मोटे तौर पर दो वर्ग किए जा सकते हैं। कुछ व्यवसाय ऐसे हैं, जिनमें शरीर श्रम आवश्यक है और कुछ ऐसे हैं जो बुद्धि के बल पर चलाए जाते हैं। पहले प्रकार के व्यवसाय को हम श्रमजीवियों के व्यवसाय कहें और दूसरों को बुद्धिजीवियों के। राज-काज चलाने वाले मंत्री आदि तथा राज के कर्मचारी ऊँचे-ऊँचे पद से लेकर नीचे के क्लर्क तक, न्यायाधीश, वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी आदि ऐसे हैं जो अपना भरण-पोषण बौद्धिक काम से करते हैं। शरीर श्रम से अपना निर्वाह करने वाले हैं – किसान, मजदूर, बढ़ई, राज, लुहार आदि। समाज के व्यवहार के लिए इन बुद्धिजीवियों और श्रमजीवियों, दोनों प्रकार के लोगों की जरूरत है पर सामाजिक दृष्टि से इन दोनों के व्यवसाय के मूल्यों में बहुत फर्क है।

बुद्धिजीवियों का जीवन श्रमजीवियों पर आधारित है। ऐसा होते हुए भी दुर्भाग्य यह है कि श्रमजीवियों की मजदूरी एवं आमदनी कम है, समाज में उनकी प्रतिष्ठा नहीं और उनको अपना जीवन प्राय: कष्ट में ही बिताना पड़ता है।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

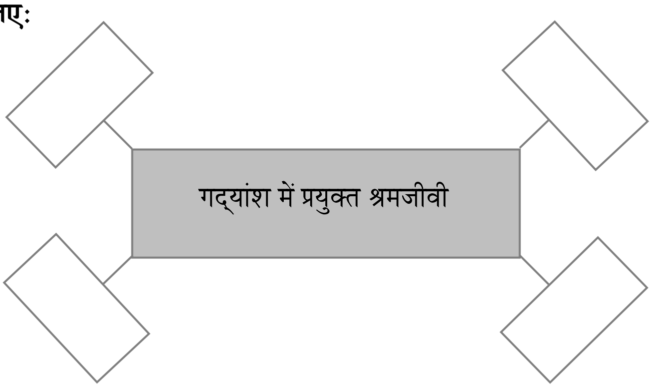

(2) अंतर बताइए: **(2)**

बुद्धिजीवी	श्रमजीवी
(i)	(i)
(ii)	(ii)

(3) गद्‌यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म लिखिए: **(2)**

(1) ....

(2) ....

(4) 'श्रम ही पूजा है' अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

घूम-फिरकर शाम को हम कलिंगवुड बीच पर पहुँचे। यह काफी रेतीला तथा गोवा का सबसे लंबा बीच है जो ३ से ४ किमी तक फैला है। यहाँ पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। यही कारण है कि यह स्थानीय लोगों के व्यवसाय का केंद्र भी है। यहाँ कई प्रकार के वाटर स्पोर्ट्स होते हैं जिनमें कुछ तो हैरतअंगेज हैं, जिन्हें देखने में ही आनंद आता है। आप भी अपनी रुचि के अनुसार सब आजमा सकते हैं। मैंने कई खेलों में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे अधिक रोमांच पैराग्लाइडिंग में ही आया। काफी ऊँचाई से अथाह जलराशि को देखना जितना विस्मयकारी है, उतना ही भयावह भी। दूर-दूर तक पानी-ही-पानी, तेज हवा और रस्सियों से हवा में लटके हम। हम यानी मैं और मेरी पत्नी। दोनों डर भी रहे थे और खुश भी हो रहे थे। डर इस बात का कि छूट गए तो समझो गए और खुशी इस बात की कि ऐसा रोमांचक दृश्य पहली बार देखा। सचमुच अद्‌भुत!

हम यहाँ चार-छह दिन रहे लेकिन हमारी एक ही दिनचर्या रही। सुबह जल्दी उठना, फटाफट नाश्ता करना और दिन भर घूम-फिरकर, थककर शाम को रिसॉर्ट आकर थकान मिटाने के लिए पूल में तैरना!

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

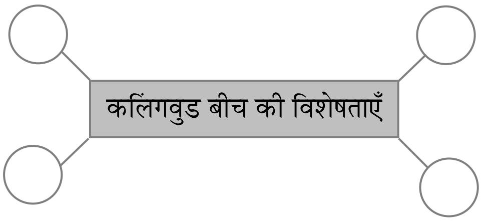

(2) कारण लिखिए: **(2)**

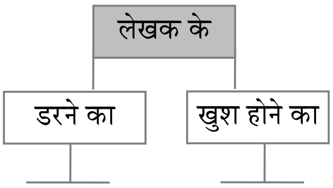

(3) गद्‌यांश में आए अंग्रेजी शब्द: **(2)**

(i) .... (ii) ....

(iii) .... (iv) ....

(4) 'पर्यटन से लाभ' पर अपने विचार लिखिए। **(2)**

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

वैज्ञानिक अध्ययनों एवं भूगर्भीय आँकड़ों से यह तथ्य सामने आया है कि भारत का दो तिहाई भाग भूकंपीय पट्‌टी में पड़ता है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, नेपाल सीमा क्षेत्र, गुजरात (कच्छ का रन) तथा अंदमान द्‌वीपसमूह भूकंपीय पट्‌टी में है। यह भूकंपीय पट्‌टी वास्तव में भूमंडलीय पट्‌टी का एक हिस्सा है, जो पृथ्वी के एक छोर से दूर छोर तक जाती है। हाल के वैज्ञानिक शोधों ने यह सिद्‌ध कर दिया है कि इंडियन प्लेट बराबर साढ़े पाँच सेंटीमीटर प्रतिवर्ष की गति से उत्तर-पूर्व दिशा में खिसक रही है और इस प्रक्रिया में समय-समय पर अपनी जगह पर स्थिर युरेशियन प्लेट से टकराकर हिमालय क्षेत्र में भूकंप का तांडव दिखाती रहती है। वास्तव में अक्टूबर १९९१ में आए उत्तरकाशी के विध्वंसक भूकंप की जिम्मेदार इंडियन और युरेशियन प्लेटें ही थीं।

(1) उत्तर लिखिए: **(2)**

भूकंपीय पट्टी में आने वाले प्रदेश
→ ______ → ______ → ______ → ______

(2) लिखिए: **(2)**

(क) इंडियन प्लेट खिसकने की
- गति → ______
- दिशा → ______

(ख) उत्तरकाशी के विध्वंसक भूकंप के जिम्मेदार
→ ______ → ______

(3) 'प्रति' उपसर्ग लगाकर शब्द तैयार कीजिए: **(2)**

(i) दिन - .... (ii) माह - ....
(iii) वर्ष - .... (iv) क्रिया - ....

(4) 'भूकंप से होने वाली हानियाँ' अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 2 – पद्य : 18 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

धनियों को है मौज रात-दिन हैं उनके पौ-बारे,
दीन दरिद्रों के मत्थे ही पड़े शिशिर दुख सारे।
वे खाते हैं हलुवा-पूड़ी, दूध-मलाई ताजी,
इन्हें नहीं मिलती पर सूखी रोटी और न भाजी।
वे सुख से रंगीन कीमती ओढ़ें शाल-दुशाले,
पर इनके कंपित बदनों पर गिरते हैं नित पाले।
वे हैं सुख साधन से पूरित सुघर घरों के वासी,
इनके टूटे-फूटे घर में छाई सदा उदासी।

(1) नाम लिखिए: **(2)**

पद्यांश में आए खाद्य पदार्थ
→ (1) ....
→ (2) ....
→ (3) ....
→ (4) ....

(2) अंतर लिखिए: **(2)**

धनी	गरीब
(i)	(i) ....
(ii)	(ii) ....

(3) अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए:

छापा **अथवा** गिरिधर नागर

मुद्दे:

(1) रचनाकार का नाम **(1)**

(2) रचना की विधा **(1)**

(3) पसंद की पंक्तियाँ **(1)**

(4) पंक्तियाँ पसंद होने का कारण **(1)**

(5) रचना से प्राप्त संदेश/प्रेरणा **(2)**

(इ) निम्नलिखित अपठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

जन धरणी का बल है हल,
जनमन का संबल है हल।
साथी सजग हथौड़े, हँसिया
जिसके कर्मठ, कला कुशल।
हल ने चीर जमीं का सीना,
मानव का घर-द्वार बसाया।
स्वर्ण धरा का बल है हल,
जनता का संबल है हल।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

हल की विशेषताएँ
↓ ______ ↓ ______ ↓ ______ ↓ ______

(2) ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों: **(2)**

(i) मानव (ii) जनमन

(3) प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। **(2)**

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. **(अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:**

अब तक वह कितने ही स्थानों पर नौकरी के लिए आवेदन कर चुका था। साक्षात्कार दे चुका था। उसके प्रमाणपत्रों की फाइल भी उसे सफलता दिलाने में नाकामयाब रही थी। हर जगह भ्रष्टाचार, रिश्वत का बोलबाला होने के कारण, योग्यता के बावजूद उसका चयन नहीं हो पाता था। हर ओर से अब वह निराश हो चुका था। भ्रष्ट सामाजिक व्यवस्था को कोसने के अलावा उसके वश में और कुछ तो था नहीं।

आज फिर उसे साक्षात्कार के लिए जाना है। अब तक देशप्रेम, नैतिकता, शिष्टाचार, ईमानदारी पर अपने तर्कपूर्ण विचार बड़े विश्वास से रखता आया था लेकिन इसके बावजूद उसके हिस्से में सिर्फ असफलता ही आई थी।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

लेखक इन विषयों पर अपने विचार रखते थे
↓ ____ ↓ ____ ↓ ____ ↓ ____

(2) 'शिष्टाचार की आवश्यकता' पर अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

भीतरी कुंठा
आँखों के द्वार से
आई बाहर।

खारे जल से
धुल गए विषाद
मन पावन।

मृत्यु को जीना
जीवन विष पीना
है जिजीविषा।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए: **(2)**

'अ'	'ब'
(i) भीतरी कुंठा	(1) विषाद
(ii) खारा जल	(2) जिजीविषा
(iii) जीवन विष पीना	(3) आँखें
(iv) धुल जाना	(4) मन पावन

(2) 'मन की सफाई पर' अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 18 अंक

4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) (क) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए: **(1)**
मेरी <u>पाठशाला</u> सामने ही है।

(ख) निम्नलिखित शब्द का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए: **(1)**
लाड़ला

(2) (ग) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए: **(1)**
वह घर की ओर आ रहा है।

(घ) निम्नलिखित अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**
हौले-हौले

(3) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(2)**
(i) वे हमारे सुहागवाले गहने होते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)
(ii) वह भारी कदमों से आगे बढ़ा। (अपूर्ण भूतकाल)

(4) तालिका पूर्ण कीजिए: **(2)**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	भेद
निर्भय	....	....
....	विद्या + अर्थी	....

(5) (च) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए: **(1)**

नेत्रहीनों के चमत्कार हमने बहुत देखे हैं।

(छ) सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए: **(1)**

शाम को वह तुमसे मिलने आएगा। (प्रश्नार्थक वाक्य)

(6) (ज) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

गला फाड़ना

अर्थ : ....

वाक्य : ....

(झ) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

(टाँग अड़ाना, कोरा जवाब देना)

कुछ लोग अच्छे कामों में बाधा डालते हैं।

(7) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए: **(2)**

(i) अब हर चीज का दरजनों गुलाम होता हैं।

(ii) करामत अली के आँखों में आँसू उतर आई।

(8) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए: **(1)**

(i) मैं यह घर छोड़कर कहीं चली जाऊँगी।

(ii) वह धीरे-धीरे रेंगती हुई कड़ाह के पास आ बैठी।

(9) निम्नलिखित क्रिया के 'प्रथम' तथा 'द्‌वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए: **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्‌वितीय प्रेरणार्थक
रोना	....	....

(10) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: **(1)**

दूध में कोई मिठाई न मिले तो कोई बात नहीं।

कारक चिह्न भेद

....

(11) निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए: **(1)**

मैंने कराहते हुए पूछा "मैं कहाँ हूँ"

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 32 अंक

5. **(अ) (1) पत्र-लेखन:** **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए:

नरेश/निशा जाधव, 22, गाँधी रोड, साबरमती से अपने मित्र/सहेली उत्तम/उषा पाटील, शाहुपुरी, कोल्हापुर को जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल होने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

शरद/शारदा पाटील, 24, विश्वास नगर, अकोला–32 से अनमोल प्रकाशन, पुणे–11 को पत्र लिखकर अपने लिए निम्नलिखित पुस्तकों की माँग करता/करती है।

(1) मानसरोवर भाग १– ले. प्रेमचंद

(2) चंद्रगुप्त (नाटक) – ले. जयशंकर प्रसाद

(3) अच्छे आदमी (कथा संग्रह) – ले. फणीश्वरनाथ 'रेणु'।

(2) गद्य आकलन-प्रश्न निर्मिति: **(5)**

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में ही एक-एक वाक्य में हों:

> भौतिक प्रेरणा, ज्ञानेप्सा– क्या ये दो ही मानव संस्कृति के माता-पिता हैं? दूसरे के मुँह में कौर डालने के लिए जो अपने मुँह का कौर छोड़ देता है, उसको यह बात क्यों और कैसे सूझती है? रोगी बच्चे को सारी रात गोद में लिए जो माता बैठी रहती है, वह आखिर ऐसा क्यों करती है? सुनते हैं कि रूस का भाग्यविधाता लेनिन अपनी डेस्क में रखे हुए डबल रोटी के सूखे टुकड़े स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था। वह आखिर ऐसा क्यों करता था? संसार के मजदूरों को सुखी देखने का स्वप्न देखते हुए कार्ल मार्क्स ने अपना सारा जीवन दुख में बिता दिया। और इन सबसे बढ़कर आज नहीं, आज से ढाई हजार वर्ष पूर्व सिद्धार्थ ने अपना घर केवल इसलिए त्याग दिया कि किसी तरह तृष्णा के वशीभूत लड़ती-कटती मानवता सुख से रह सके।

(आ) (1) वृत्तांत-लेखन: **(5)**

अपने विद्यालय में संपन्न वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का वृत्तांत लगभग 60 से 80 शब्दों में लिखिए।

(वृत्तांत में स्थल, घटना, काल का उल्लेख आवश्यक है।)

(2) विज्ञापन: **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

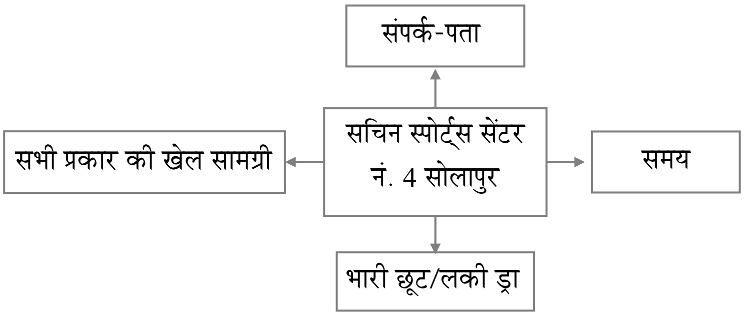

(3) कहानी-लेखन: **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिकर उचित शीर्षक दीजिए :

> एक गाँव – गाडगे बाबा का प्रवेश – अस्वच्छता देख दुख – अकेले स्वच्छता करने में लगना – रोज आकर स्वच्छता – धीरे-धीरे लोगों का हाथ में झाड़ू उठाना – रोज एक घंटा स्वच्छता अभियान में – गाँव में स्वच्छता – लोगों का स्वच्छता के महत्त्व को समझना – बाबा का दूसरे गाँव जाना – लोगों का स्वच्छता अभियान जारी।

(इ) निबंध-लेखन: **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) यदि मोबाइल न होता तो …………

(2) मेरे प्रिय लेखक

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च २०१९

हिंदी लोकभारती

Time : 3 Hours | **Max. Marks : 100**

सूचनाएँ:

(1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 24 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

दूसरे दिन रहमान सवेरे आठ-नौ बजे के करीब लक्ष्मी को इलाके से बाहर जहाँ नाला बहता है, जहाँ झाड़-झंखाड़ और कहीं दूब के कारण जमीन हरी नजर आती है, छोड़ आया ताकि वह घास इत्यादि खाकर अपना कुछ पेट भर ले। लेकिन माँ-बेटे को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि लक्ष्मी एक-डेढ़ घंटे बाद ही घर के सामने खड़ी थी। उसके गले में रस्सी थी। एक व्यक्ति उसी रस्सी को हाथ में थामे कह रहा था– "यह गाय क्या आप लोगों की है?"

रमजानी ने कहा, "हाँ।"

"यह हमारी गाय का सब चारा खा गई है। इसे आप लोग बाँधकर रखें नहीं तो काँजी हाउस में पहुँचा देंगे।"

रमजानी चुप खड़ी आगंतुक की बातें सुनती रही।

दोपहर बाद जब करामत अली ड्यूटी से लौटा और नहा-धोकर कुछ नाश्ते के लिए बैठा तो रमजानी उससे बोली– "मेरी मानो तो इसे बेच दो।"

"फिर बेचने की बात करती हो.........? कौन खरीदेगा इस बुढ़िया को।"

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

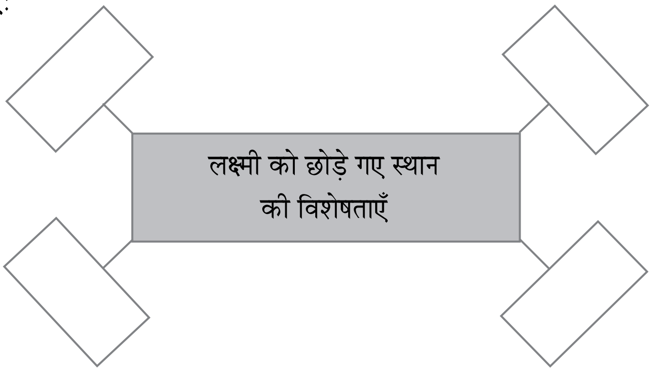

(2) केवल **एक/दो** शब्दों में उत्तर लिखिए: **(2)**

(i) करामत अली इस समय ड्यूटी से लौटा ....

(ii) दूसरों की गाय का चारा खानेवाली ....

(iii) रमजानी इसकी बातें सुनती रही ....

(iv) लक्ष्मी को देखकर आश्चर्यचकित होनेवाले ....

(3) (क) वचन परिवर्तन कीजिए: **(1)**

(1) इलाके (2) रस्सी

(ख) लिंग परिवर्तन कीजिए: **(1)**

(1) बेटा (2) गाय

(4) 'जानवरों के प्रति हमदर्दी' विषय पर अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

गाड़ी ले हम चल पड़े। क्या शान की सवारी थी। याद कर बदन में झुरझुरी आने लगी है। जिसके यहाँ खाना था, वहाँ पहुँचा। बातचीत में समय का ध्यान नहीं रहा। देर हो गई।

याद आया बाबू जी आ गए होंगे।

वापस घर आ फाटक से पहले ही गाड़ी रोक दी। उतरकर गेट तक आया। संतरी को हिदायत दी। यह सैलूट-वैलूट नहीं, बस धीरे से गेट खोल दो। वह आवाज करे तो उसे बंद मत करो, खुला छोड़ दो।

बाबू जी का डर। वह खट-खट सैलूट मारेगा तो आवाज होगी और फिर गेट की आवाज से बाबू जी को हम लोगों के लौटने का अंदाजा हो जाएगा। वे बेकार में पूछताछ करेंगे। अभी बात ताजा है। सुबह तक बात में पानी पड़ चुका होगा। संतरी से जैसा कहा गया, उसने किया। दबे पैर पीछे किचन के दरवाजे से अंदर घुसा। जाते ही अम्मा मिलीं।

पूछा– "बाबू जी आ गए? कुछ पूछा तो नहीं?"

बोली– "हाँ, आ गए। पूछा था। मैंने बता दिया।"

(1) उत्तर लिखिए: **(2)**

लेखक द्वारा संतरी को दी गई दो सूचनाएँ:

(i) ....

(ii) ....

(2) लिखिए : **(2)**

(i) शान की सवारी याद आने का परिणाम ....

(ii) बातचीत में समय बिताने का परिणाम ....

(3) (क) गद्यांश से ऐसे **दो** शब्द ढूँढ़कर लिखिए जिनका वचन परिवर्तन से रूप नहीं बदलता: **(1)**

(i) ....

(ii) ....

(ख) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए: **(1)**

(i) ....

(ii) ....

(4) 'दादा-दादी के प्रति मेरा कर्तव्य' विषय पर अपने विचार लिखिए। **(2)**

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

संस्कृति ऐसी चीज नहीं कि जिसकी रचना दस-बीस या सौ-पचास वर्षों में की जा सकती हो। अनेक शताब्दियों तक एक समाज के लोग जिस तरह खाते-पीते, रहते-सहते, पढ़ते-लिखते, सोचते-समझते और राज-काज चलाते अथवा धर्म-कर्म करते हैं, उन सभी कार्यों से उनकी संस्कृति उत्पन्न होती है। हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें हमारी संस्कृति की झलक होती है। यहाँ तक कि हमारे उठने-बैठने, पहनने-ओढ़ने, घूमने-फिरने और रोने-हँसने में भी हमारी संस्कृति की पहचान होती है। हमारा कोई भी काम हमारी संस्कृति का पर्याय नहीं बन सकता। असल में संस्कृति जिंदगी का एक तरीका है और यह तरीका सदियों से जमा होकर उस समाज में छाया रहता है, जिसमें हम जन्म लेते हैं। इसलिए जिस समाज में हम पैदा हुए हैं, अथवा जिस समाज से मिलकर हम जी रहे हैं, उसकी संस्कृति हमारी संस्कृति है।

(1) घटक लिखिए: **(2)**

संस्कृति की पहचान करानेवाले घटक
→ (1)
→ (2)
→ (3)
→ (4)

(2) विधानों को पढ़कर केवल सही अथवा गलत लिखिए: **(2)**

(i) समाज के लोगों के कार्यों से उनकी संस्कृति उत्पन्न होती है ....

(ii) हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें हमारी संस्कृति की झलक नहीं होती ....

(iii) जिस संस्कृति में हम पैदा हुए हैं उसकी संस्कृति हमारी संस्कृति है ....

(iv) संस्कृति जिंदगी का तरीका नहीं है ....

(3) दी गई सूचना के अनुसार लिखिए: **(2)**

जीवन
- पर्यायवाची शब्द → ________
- उपसर्ग युक्त शब्द → ________
- प्रत्यय युक्त शब्द → ________
- विलोम शब्द → ________

(4) 'पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता प्रभाव' अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 2 – पद्य : 18 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो।
चल पड़ी तो गर्द बनकर आस्मानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो।

सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो।
जिंदगी की शक्ल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए: **(2)**

	'अ'	उत्तर	'आ'
(i)	शिखर	....	गर्द
(ii)	आस्मान	....	जिंदगी
(iii)	पत्थर	....	स्वर्णिम
(iv)	शक्ल	....	मील
		....	नींव

(2) उत्तर लिखिए: **(2)**

(क) मनुष्य को ये बनकर दिखाना है
→ (1) ....
→ (2) ....

(ख) कवि दिखने के लिए कहते हैं
→ (1) ....
→ (2) ....

(3) प्रथम **चार** पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए:

भारत महिमा **अथवा** समता की ओर

मुद्दे:

(1) रचनाकार का नाम **(1)**
(2) रचना की विधा **(1)**
(3) पसंद की पंक्तियाँ **(1)**
(4) पंक्तियाँ पसंद होने के कारण **(1)**
(5) रचना से प्राप्त संदेश/प्रेरणा **(2)**

(इ) निम्नलिखित अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

नदी निकलती है पर्वत से, मैदानों में बहती है।
और अंत में मिल सागर से, एक कहानी कहती है।
बचपन में छोटी थी पर मैं, बड़े वेग से बहती थी।
आँधी-तूफाँ, बाढ़-बवंडर, सब कुछ हँसकर सहती थी।
मैदानों में आकर मैंने, सेवा का संकल्प लिया।
और बना जैसे भी मुझसे, मानव का उपकार किया।
अंत समय में बचा शेष जो, सागर को उपहार दिया
सब कुछ अर्पित करके अपने, जीवन को साकार किया।

(1) कृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

पद्यांश में प्रयुक्त प्राकृतिक घटक

____

____

____

____

(2) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों: **(2)**

(i) सागर ....   (ii) छोटी ....

(3) प्रस्तुत पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। **(2)**

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

रात का समय था। बुद्धिराम के द्वार पर शहनाई बज रही थी और गाँव के बच्चों का झुंड विस्मयपूर्ण नेत्रों से गाने का रसास्वादन कर रहा था। चारपाइयों पर मेहमान विश्राम कर रहे थे। दो-एक अंग्रेजी पढ़े हुए नवयुवक इन व्यवहारों से उदासीन थे। वे इस गँवार मंडली में बोलना अथवा सम्मिलित होना अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल समझते थे।

आज बुद्धिराम के बड़े लड़के मुखराम का तिलक आया था। यह उसी का उत्सव था। घर के भीतर स्त्रियाँ गा रही थीं और रूपा मेहमानों के लिए भोजन के प्रबंध में व्यस्त थी। भट्ठियों पर कड़ाह चढ़ रहे थे। एक में पूड़ियाँ-कचौड़ियाँ निकल रही थीं, दूसरे में अन्य पकवान बन रहे थे। एक बड़े हंडे में मसालेदार तरकारी पक रही थी। घी और मसाले की क्षुधावर्धक सुगंध चारों ओर फैली हुई थी।

(1) उत्तर लिखिए: **(2)**

मुखराम के तिलक उत्सव की तैयारियाँ:

(i) ....

(ii) ....

(2) 'उत्सवों का बदलता स्वरूप' अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

सितारे छिपे
बादलों की ओट में
सूना आकाश।

तुमने दिए
जिन गीतों को स्वर
हुए अमर।

सागर में भी
रहकर मछली
प्यासी ही रही।

(1) तालिका पूर्ण कीजिए: **(2)**

	स्थिति	**निवास स्थान**
मछली	....	....
सितारे	....	....

(2) 'रात में सितारे आकाश की शोभा बढ़ाते हैं' अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 18 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) (क) अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानकर लिखिए: **(1)**

उस <u>आश्रम</u> का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए।

(ख) निम्नलिखित शब्द का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए: **(1)**

'आलीशान'

(2) (ग) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए: **(1)**

रतन, धीरे-धीरे चल।

(घ) निम्नलिखित अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

की ओर

(3) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(2)**

(i) शरीर को कुछ समय के लिए विश्राम मिल गया था। (सामान्य वर्तमानकाल)

(ii) वह मुझे बहुत प्रभावित कर रहा है। (पूर्ण भूतकाल)

(4) तालिका पूर्ण कीजिए: **(2)**

संधि शब्द	**संधि विच्छेद**	**संधि भेद**
निष्कपट	.... + ...	....
....	सत् + भावना	....

(5) (च) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद लिखिए: **(1)**

हमदर्दी जताने वालों में वे लोग जरूर आएँगे, जिनकी हम सूरत भी नहीं देखना चाहते।

(छ) सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए: **(1)**

क्या! उस गली में पेड़ भी हैं। (निषेधार्थक वाक्य)

(6) (ज) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

शेखी बघारना

(झ) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

(मुँह लटकाना, मुँह लगना)

खेल में चयन न होने के कारण अमर निराश होकर बैठ गया।

(7) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए: **(2)**

(i) उन्होंने पुस्तक लौटा दिया।

(ii) हमारी सामाजिक विचारधारा से बड़ी भारी दोष है।

(8) निम्नलिखित वाक्य से सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए: **(1)**

(i) एक टैक्सी कमरे के सामने आकर रुकी।

(ii) मैं आपके बारे में ही सोचता रहा।

(9) प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए: **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्‌वितीय प्रेरणार्थक
सूखना	....	....

(10) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: **(1)**

चाची अपने कमरे से निकल रही थी।

कारक चिह्न ....

भेद ....

(11) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए: **(1)**

घूम फिरकर शाम को हम कलिंगवुड बीच पर पहुँचे

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 32 अंक

सूचना: आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

5. **(अ) (1) पत्र-लेखन:** **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए:

अनय/अनया पाटील, 'गीतांजली', गुलमोहर रोड, अहमदनगर से अपनी छोटी बहन अमिता पाटील, 3, 'श्रीकृपा', शिवाजी रोड, नेवासा को राज्यस्तरीय कबड्डी संघ में चयन होने के उपलक्ष्य में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता है/लिखती है।

अथवा

अर्चित/अर्चिता भोसले, 54, शांतिनगर, नाशिक से अपने परिसर के उद्‌यान की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, आयुक्त, महानगर परिषद, नाशिक को पत्र लिखता है/लिखती है।

(2) **गद्य आकलन-प्रश्न निर्मिति:** (5)

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **पाँच** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों:

> दक्षिण और पश्चिमी भारत में स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा समाज सेवा की एक पुरानी परंपरा है। सादा जीवन, उच्च विचार और कठिन परिश्रम। इस परंपरा में अनेक स्वैच्छिक संस्थाएँ विकसित हुई हैं। उनमें से कुछ संस्थाएँ पर्यावरण की सुरक्षा में भी काम कर रही हैं। इन संस्थाओं को काफी पढ़े-लिखे लोगों, वैज्ञानिकों और शिक्षकों का सामयिक सहयोग मिलता रहता है। अभाग्यवश अनेक स्वैच्छिक संस्थाएँ दलगत राजनीति में अधिक विश्वास करती हैं और उनके आधार पर सरकारी सहायता लेने का प्रयास करती हैं। पर्वतीय क्षेत्र में सादगी की अभी यही व्यवस्था चलती है और इसलिए 'चिपको' आंदोलन बहुत हद तक सफल हुआ है। 'गाँधी शांति प्रतिष्ठान' तथा कुछ गांधीवादी संगठनों ने भी इस दिशा में प्रशंसनीय कार्य किया है। सरला बहन ने अल्मोड़ा में इस काम की शुरुआत तब की थी जबकि पर्यावरण के प्रति लोंगों में जागरूकता नहीं थी। श्री प्रेमभाई और डॉ. रागिनी प्रेम ने मिर्जापुर में पर्यावरण पर प्रशंसनीय काम किया है।

(आ) (1) **वृत्तांत-लेखन:** (5)

आदर्श प्रशाला, अमरावती में संपन्न 'वाचन प्रेरणा दिन' समारोह का लगभग **60** से **80** शब्दों में वृत्तांत लिखिए।

(वृत्तांत में स्थान, समय, घटना का उल्लेख आवश्यक है।)

(2) **विज्ञापन-लेखन:** (5)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग **60** शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए:

वसुंधरा नर्सरी, सातारा

विशेषताएँ

संपर्क-पता

(3) **कहानी-लेखन:** (5)

निम्नलिखित शब्दों के आधार पर लगभग **70** से **80** शब्दों में कहानी लिखिए तथा उचित शीर्षक दीजिए :

> भिखारी – भीख माँगना – एक व्यक्ति का रोज देखना – फूलों का गुच्छा देना – भिखारी का फूल बेचना – मंदिर के सामने दुकान खोलना।

(इ) **निबंध-लेखन:** (7)

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **80** से **100** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मैं सड़क बोल रही हूँ ....

(2) 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'